

भारत टाइम्स सजग

7



वर्ष : 01 अंक : 126

सोनीपत, बृहस्पतिवार, 23 जुलाई

2026

REG.NO. HRHIN/26/A1301

पेज : 8 मुख्य : 1 रुपया

छात्रों पर बर्बरतापूर्ण कार्रवाई के विरोध में संसद परिसर में विपक्ष का जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)

छात्रों पर की गई बर्बरतापूर्ण कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। काले कपड़े पहने सभी सांसदों ने धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करो और पेपर लीक बंद करो की मांगों की तख्तियां ली हुई थी। इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत इंडिया गठबंधन की कई पार्टियों के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सदन में बोलते हुए कहा कि पार्टी नियम 267 के तहत नीट परीक्षा के बारे में चर्चा करना चाहती है। इस मुद्दे पर निष्पक्ष चर्चा तभी हो पाएगी, जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा देंगे। खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने नियम 267 में नोटिस दिया और चेयरमैन से चर्चा की अनुमति मांगी, लेकिन वे तैयार नहीं हुए एवं कहा कि किसी अन्य नियम में मांग रखी जाए। उन्होंने कहा कि किसी दूसरे नियम में चर्चा का महत्व नहीं रह जाएगा। जैसे लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव होता है, वैसे ही राज्यसभा में भी नियम 267 का महत्व होता है। उन्होंने कहा कि मंगलवार



शाम को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का अपमान किया गया। उन्होंने इस व्यवहार को बेहद शर्मनाक बताया। खरगे ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों सदनों में विस्तृत वक्तव्य दें और स्पष्ट करें कि छात्रों पर लाठीचार्ज तथा विपक्षी नेताओं के साथ हुई इस कार्रवाई के लिए कौन जिम्मेदार है। साथ ही यह भी बताएं कि दोषियों के

विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री छात्रों के साथ हुए दुर्व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। देश की लगातार ध्वस्त होती शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था पर संसद में व्यापक, गंभीर एवं समयबद्ध चर्चा कराई जाए। खरगे ने यह भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल के बीच भाजपा-आरएसएस के लोग बिना बैज के काम कर

रहे हैं और छात्रों तथा कांग्रेस नेताओं को डराने-धमकाने की कोशिश में लगे हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक सरकार नहीं, बल्कि एक तानाशाही सरकार है। खरगे ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और छात्रों को कुचलने का प्रयास करेगी, तो देश भर में लाखों लोग खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लोग इस लड़ाई को लगातार जारी रखेंगे। वहीं कांग्रेस के संगठन महासचिव केशी वेणुगोपाल ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जाए। छात्रों पर बल प्रयोग करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच बिठाई जाए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि छात्र लोन लेकर पढ़ाई करते हैं और बार-बार पेपर लीक होने से युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि छात्रों के साथ सड़क पर बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की जा रही है और सदन में विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा, यह अलोकतांत्रिक है। प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग किया जा रहा है।

छात्रों से बातचीत करे सरकार, अन्ना हजारे की पीएम मोदी को चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा पर समाजसेवी अन्ना हजारे ने दुख जताया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई



के मुताबिक अन्ना ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखी है। जिसमें उन्होंने दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा पर दुख जताया है और सरकार से सकारात्मक बातचीत की अपील की है। हिंसा और पुलिस कार्रवाई की खबरें अत्यंत पीड़ादायक: अन्ना पीएम मोदी को लिखी में अन्ना ने लिखा, दिल्ली में चल रहे आंदोलन की पृष्ठभूमि में कल हुई हिंसा और पुलिस कार्रवाई की खबरें अत्यंत पीड़ादायक हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस प्रकार की घटनाएं किसी के भी हित में नहीं हैं। मेरा मत है कि किसी भी परिस्थिति में हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति और अनावश्यक बल प्रयोग से बचा जाना चाहिए। अन्ना ने आगे लिखा, 'आज देश के लाखों युवा प्रश्रपत्र लीक, भर्ती प्रक्रियाओं में विलंब, बेरोजगारी और अन्य अनेक समस्याओं के कारण गहरी चिंता और असंतोष का अनुभव कर रहे हैं। इस असंतोष को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में न देखकर, समाज की पीड़ा और अपेक्षाओं के रूप में समझना आवश्यक है।

सोनम वांगचुक अनशन खत्म करने के लिए तैयार, सरकार के सामने रखी शर्त

नई दिल्ली (एजेंसी)

शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा पेपर लीक मामलों में जवाबदेही



और छात्रों के हितों को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने केंद्र सरकार से आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का स्पष्ट लिखित आश्वासन मांगा है। उन्होंने कहा कि ऐसा आश्वासन मिलने पर ही वह अनशन समाप्त करने पर विचार करेंगे।

सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक खुला पत्र

सामना किया, जिसे उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी. नड्डा और केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के नाम संबोधित किया गया है। उन्होंने पत्र में बताया कि दोनों मंत्री मंगलवार रात अस्पताल में उनसे मिलने पहुंचे थे और उन्होंने अनशन समाप्त करने का आग्रह किया था। वांगचुक ने लिखा कि मुलाकात के दौरान मंत्रियों ने उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी प्रमुख मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी। इनमें परीक्षा पेपर लीक की घटनाओं के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देने और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर संसद में सार्थक चर्चा सुनिश्चित करने जैसी मांगें शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि चर्चा के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर भी विचार किए जाने की बात सामने आई। अपने पत्र में वांगचुक ने 20 जुलाई को आयोजित 'चलो संसद मार्च' का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की कथित सख्ती और बल प्रयोग के बावजूद यह मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। देश और दुनिया ने देखा कि युवाओं ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखी और संयम का परिचय दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस आंदोलन में भाग लेने वाले छात्रों और युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की प्रतिशोधात्मक या कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। वांगचुक ने बताया कि केंद्रीय मंत्रियों की मुलाकात के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के करीब 65 सांसदों ने उन्हें पत्र लिखकर अनशन समाप्त करने की अपील की है।

प्रदेश के हर जिले में खुलेगा स्टार्टअप्स का द्वार: नायब सैनी



चंडीगढ़ (एजेंसी)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'हरियाणा विजन@2047' को धरातल पर उतारने के लिए सरकार प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के हर जिले में स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाए और नया व्यवसाय शुरू करने में उद्यमियों को किसी भी प्रकार की प्रशासनिक अड़चन नहीं आनी चाहिए। मुख्यमंत्री सिविल सचिवालय में 'हरियाणा विजन@2047' के तहत 'विजन-टू-एक्शन प्लान को लेकर एमएसएमई, उद्योग, स्टार्टअप और एचएसआईआईडीसी (HSIDC) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। स्थानीय रोजगार और स्वदेशी को दिया जाएगा बढ़ावा मुख्यमंत्री ने कहा कि बरवाला क्षेत्र में एक विशेष वुडन जोन व वुडन मार्केट बनाकर वहां आधुनिक शुरुआत विकसित किए जाएं। इससे स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि

होगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि कैलेंडर बनाकर प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्वदेशी मेलों का आयोजन किया जाए। इसके अतिरिक्त, राखी बनाने के उद्योग में स्वयं सहायता समूहों को व्यापक स्तर पर शामिल किया जाए और उनके उत्पादों की वैश्विक बिक्री के लिए उन्हें ऑनलाइन, एमेज़ॉन जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ जोड़ा जाए। व्यापार को सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य में 'राज्य नवाचार एवं एमएसएमई परिषद तथा 'स्टार्टअप एडवाइजरी काउंसिल हरियाणा का गठन किया जाएगा। पुनर्गठित सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के माध्यम से व्यावसायिक स्वीकृतियों का समय 45 दिनों से घटाकर 30 दिन किया जाएगा, जिसे आगे चलकर 50 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य है। हर जिले में स्टार्टअप्स को 'हैड हो ल्डिंग सहायता देने के लिए समर्पित 'स्टार्टअप संपर्क अधिकारी तैनात किए गए हैं।

NEET को हमेशा के लिए खतम करो, थलपति विजय की पार्टी ने कर दी बड़ी मांग

चेन्नई (एजेंसी)

NEET परीक्षा में हुए पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में मचे बवाल के बीच अब



तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी छात्रों के समर्थन में खुलकर मैदान में आ गए हैं। तमिल सिनेमा के 'थलपति' और अब सूबे के मुखिया विजय की पार्टी तमिज़नाा वेन्नी कज़गम (TVK) ने नीट परीक्षा को लेकर एक ऐसी मांग कर दी है, जिसने सियासी पारे को और भी ज्यादा चढ़ा दिया है। TVK ने दो टूक कहा है कि नीट में धांधली रोकना ही काफी नहीं है, बल्कि इस पूरी प्रवेश परीक्षा को ही हमेशा के लिए जड़ से खत्म कर देना चाहिए। छात्रों के भविष्य और राज्यों के अधिकारों का हवाला देते हुए TVK ने संविधान में बड़े बदलाव

की वकालत की है। पार्टी का स्पष्ट मानना है कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए शिक्षा को संविधान की समवर्ती सूची (Concurrent List) से हटाकर राज्य सूची में ट्रांसफर कर दिया जाना चाहिए। पार्टी ने यह भी सुझाया है कि अगर ऐसा करने में कोई कानूनी अड़चन आती है, तो अंतरिम उपाय के तौर पर एक विशेष समवर्ती सूची बनाई जाए। इससे राज्य सरकारों को मेडिकल एजुकेशन पर पूरा अधिकार मिल सकेगा। पार्टी ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री विजय पहले ही इस समाधान की रूपरेखा तय कर चुके हैं। इस मुद्दे पर TVK ने राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी DMK पर भी जमकर निशाना साधा। TVK ने तंज कसते हुए कहा कि उनकी पार्टी छात्रों और जनता के साथ धोखे की राजनीति नहीं करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे महज वोटों के लालच में यह झूठा दावा कभी नहीं करेंगे कि "हम खुद नीट रद्द कर देंगे।" गौरतलब है कि DMK ने 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले जनता से वादा किया था कि सत्ता में आते ही वे तमिलनाडु में नीट को खत्म कर देंगे, जिसे लेकर अब TVK ने उन्हें आड़े हाथ लिया है। नीट के खिलाफ विरोध की आंच सचिवालय तक भी पहुंच गई है। मंगलवार को नीट परीक्षा के विरोध में मशहूर रैपर 'थेरुकुरल' अरिवु ने तमिलनाडु सचिवालय के बाहर धरना दिया। शुरुआत में पुलिसकर्मियों ने उन्हें वहां से हटा दिया था, लेकिन बाद में मुख्यमंत्री विजय के निर्देश पर उन्हें सम्मान सचिवालय के अंदर बुलाया गया। सूत्रों के मुताबिक, सीएम विजय ने अरिवु से मुलाकात की और राष्ट्रीय स्तर की इस प्रवेश परीक्षा को लेकर उनकी चिंताएं सुनीं। बता दें कि तमिलनाडु सरकार लंबे समय से नीट को खत्म करने की वकालत कर रही है और उसकी मांग है कि मेडिकल कॉलेजों में दाखिला 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर ही होना चाहिए।

देश के कई राज्यों में बाढ़ बारिश से भयंकर तबाही, 50 से ज्यादा मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश के कई राज्यों में इस वक्त मानसूनी बारिश और बाढ़ ने भारी तबाही मचा रखी है। असम से लेकर हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर तक कुदरत का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। लगातार हो रही भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। नदियां



उफान पर हैं, घर मलबे में तब्दील हो गए हैं और अब तक दर्जनों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। प्रशासन और रेस्क्यू टीमें लगातार राहत-बचाव के काम में जुटी हुई हैं, लेकिन हालात अब भी बेहद चिंताजनक बने हुए हैं।

असम में बाढ़ से हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ASDMA) के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 21 लोगों की जान चली गई, जिससे मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 31 तक पहुंच गया है। राज्य के 16 जिलों में 5.64 लाख से अधिक लोग इस भयंकर बाढ़ की चपेट में हैं। सबसे बुरा हाल शिवसागर जिले का है, जहां अकेले 3.59 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। चराईदेव, जोरहाट और गोलाघाट में भी स्थिति गंभीर है। ब्रह्मपुत्र, दिब्रो, देसांग और धनसिरी समेत कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसके चलते रेलवे ट्रैक डूब गए हैं और कई ट्रेनें रद्द करनी पड़ी हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा खुद प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति की समीक्षा करेंगे। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी मूसलाधार बारिश आफत बनकर बरसी है। कांगड़ा जिले की बोह घाटी में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ के चलते कई मकान, गौशालाएं और खेत मलबे में दब गए।

दिल्ली में मचने वाला है बवाल गृह मंत्रालय के आदेश पर रातों-रात बंगाल से एयरलिफ्ट किए गए 2000 जवान



नई दिल्ली (एजेंसी)

राजधानी दिल्ली में लगातार भड़क रहे विरोध-प्रदर्शनों और संसद के मानसून सत्र के बीच एक बड़ी हलचल मच गई है। दिल्ली में किसी भी संभावित खतरे को टालने और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए केंद्र सरकार ने रातों-रात एक बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्रालय के सीधे आदेश पर पश्चिम बंगाल से भारी-भरकम सुरक्षाबलों को तुरंत दिल्ली बुलाया जा रहा है। हिंसक झड़पों की आशंका और बिगड़ते हालात को देखते हुए अचानक लिए गए इस फैसले ने राजधानी में सरगमीं काफी तेज कर दी है। हवाई जहाज से दिल्ली पहुंच रहे CRPF के 2000 जवान (NEAT) पेपर लीक मामले, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और 'कांकोरुच जनता पार्टी' (CJP) के लगातार हो रहे उग्र विरोध-प्रदर्शनों ने दिल्ली पुलिस की नौदंड झड़पों के बाद गृह मंत्रालय (MHA) एक्शन मोड में आ गया है। मंगलवार रात दिए गए एक आपातकालीन

आदेश के तहत, पश्चिम बंगाल से सीआरपीएफ (CRPF) की 20 अतिरिक्त टुकड़ियों को हवाई जहाज के जरिए सीधे दिल्ली एयरलिफ्ट किया जा रहा है। सीआरपीएफ की एक कंपनी में करीब 100 जवान होते हैं, जिसका सीधा मतलब है कि 2000 जवानों की भारी फौज राजधानी की सड़कों पर उतर रही है। दिल्ली में 20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र भी चल रहा है, जिसके चलते सुरक्षा एजेंसियों पर दबाव पहले से ही काफी ज्यादा है। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, राजनीतिक दलों के प्रदर्शनों को देखते हुए केंद्र सरकार ने दिल्ली पुलिस की मदद के लिए पहले ही CRPF और उसकी विशेष दंगा-रोधी इकाई 'रैपिड एक्शन फोर्स' (RAF) की करीब 30 कंपनियां तैनात कर रखी हैं। अब पश्चिम बंगाल से आ रही इन नई 20 कंपनियों को मिलाकर सुरक्षा तंत्र को अमेछ बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि ये कंपनियां कुछ महीने पहले पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के लिए भेजी गई थीं और वहां की राज्य सरकार के अनुरोध पर रुकी हुई थीं, जिन्हें अब फौरन दिल्ली मोर्चे पर बुला लिया गया है।

पाकिस्तान के पंजाब में बारिश का कहर: 8 की मौत और 14 घायल कई इलाके जलमग्न

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान में बारिश कई इलाकों पर कहर बन कर टूटी है। खासकर पंजाब प्रांत गुजरांवाला, नारोवाल, पाकपत्तन और लाहौर शहरों में भारी बरसात ने तबाही मचा दी है। अलग-अलग हादसों में करीब 8 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। गुजरांवाला शहर में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर बच्चे शामिल हैं, जबकि 10 लोग घायल हुए हैं। वहीं, गुजरात में जीटी रोड बाईपास पर बारिश के कारण फिसलने के बाद एक ट्रेलर खाई में गिर गया।

राहत एवं बचाव अधिकारियों ने बताया कि इन घटनाओं में मौत का कारण मकान की छत और दीवार गिरने से लगी चोट, तालाब में डूबने या फिर करंट लगना रहा।पाकपत्तन में बारिश के दौरान एक मकान की छत गिरने से दो नाबालिग बच्चों की मौत हो गई, जबकि उनकी मां घायल हो गई। वहीं, लाहौर के गुलशन-ए-रावी इलाके में एक फैक्ट्री की छत गिरने से चार मजदूर घायल हो गए।

गुजरात और गुजरांवाला शहरों में करीब 10 घंटे तक हुई भारी बारिश के बाद मुख्य सड़कें और आसपास के इलाके पानी में डूब गए। बारिश के कारण व्यावसायिक गतिविधियां और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। डॉन के मुताबिक, गुजरांवाला शहर पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ा, जहां भारी बारिश के साथ-साथ एमिनाबाद और गखड़ मंडी के बीच मेट्रो बस मार्ग निर्माण के लिए जीटी रोड पर चल रहे खुदाई कार्य ने स्थिति को और गंभीर बना दिया।

इससे पहले सोमवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर और अन्य जिलों में मूसलाधार बारिश तथा अचानक आई बाढ़ से 9लोगों की मौत हो गई थी।

द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, खैबर, मर्दान और बाजौर में मौतों की सूचना मिली, जबकि अचानक आई बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं से मानसेहरा, एबटाबाद, चित्राल, शांगला और अन्य जिलों में सड़कें, पुल, मकान, दुकानें, मछली फार्म, बागान, फसलें और सार्वजनिक ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए। इससे यातायात व्यवस्था बाधित



हुई। साथ ही बिजली तथा संचार सेवाएं भी प्रभावित हुईं। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी के हवाले से‘द न्यूज इंटरनेशनल’ ने बताया कि लांडी कोटल में दो युवकों के शव बरामद किए गए, जबकि जमरूद के अलग-अलग इलाकों से एक महिला और बच्चे समेत चार अन्य लोगों के शव मिले।

उन्होंने बताया कि मर्दान में भारी बारिश के दौरान एक मकान की छत गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि बाजौर में एक अन्य व्यक्ति की जान चली गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो

गई। खैबर जिले में बाढ़ के पानी में फंसे एक व्यक्ति का मदद मांगते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। हालांकि, तेज बहाव में वह बह गया।

मानसून बारिश के दौरान बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने लांडी कोटल, तोरखम और खैबर जिले के अन्य हिस्सों में भारी नुकसान पहुंचाया। सड़कों और मकानों को नुकसान पहुंचा तथा कई घंटों तक यातायात बाधित रहा।

अमेरिका बातचीत को तैयार ईरान गंभीर नहीं, फिलहाल उसकी हालत काफी खराबः रुबियो

तेहरान (एजेंसी)

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अमेरिका अब भी ईरान के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वो इसे



लेकर गंभीर नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यूएस-इजरायल हमले की वजह से ईरान काफी परेशानी में है। रुबियो ने यह बयान बुधवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित आसियान देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान दिया। उन्होंने कहा, अभी हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे बातचीत को लेकर गंभीर नहीं हैं। अगर वे संजीदा होंगे, तो हम भी होंगे। अगर नहीं, तो हम अपने और अपने सहयोगियों के हितों की रक्षा के लिए जो आवश्यक होगा, वह करेंगे।

होर्मुज पर हुकूमत को लेकर भी रुबियो ने विचार रखाे। उन्होंने कहा , उनका(ईरान) ये व्यवहार कि होर्मुज पर हम ही काबिज रहेंगे गलत उदाहरण पेश करता है। उनकी सोच कि हमें टोल दो नहीं तो तुम्हारे जहाज को उड़ा देंगे बेहद खतरनाक है। हो सकता है कि भविष्य में दुनिया के अन्य इलाकों में ऐसी ही चीजों को दोहराया जाए, ये फ्री नेविगेशन के लिए जरूरी है।रुबियो के अनुसार , ईरान की स्थिति फिलहाल ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, ईरान इस समय काफी मुश्किल स्थिति में है। अमेरिका-इजरायल के साथ हुए संघर्ष में ईरान की अर्थव्यवस्था और सैन्य क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा है।

विदेश मंत्रालय ने रूसी राजनयिक को किया तलब, यूक्रेन तट के पास कार्गो शिप हमले में 4 भारतीयों की मौत और एक की हालत गंभीर

यूक्रेन (एजेंसी)

यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट से रवाना हो रहे एक कमर्शियल जहाज पर हुए रूसी हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई।



घटना के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को रूसी चार्ज डी अफेयर्स को तलब किया। इस हमले में घायल एक भारतीय नागरिक की हालत गंभीर है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, 19 जुलाई की शाम को ओडेसा पोर्ट से निकलते समय

जहाज एमवी गोल्डन लियो पर हमला हुआ। घटना के समय जहाज पर 17 कू मेंबर थे। इनमें पांच भारतीय नागरिक शामिल थे। हमले की निंदा करते हुए मंत्रालय ने कहा,

रहा है। हम मारे गए भारतीय नागरिकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायल भारतीय नागरिक के जल्दी और पूरी तरह ठीक होने की कामना करते हैं।इसमें आगे कहा गया, भारत ऐसे हमलों की निंदा करता है और दोहराता है कि कमर्शियल शिपिंग को निशाना बनाना और बेगुनाह सिविलियन कू मेंबर्स को खतरे में डालना, या किसी और तरह से नेविगेशन और कॉमर्स की आजादी में रुकावट डालना, बहुत बुरा है और इससे बचना चाहिए। कीव पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक रूसी मिसाइल ने तुर्किए के मालवाहक जहाज गोल्डन लियो पर हमला किया, जिसमें कुल 10लोग मारे गए।

यूक्रेन एयर फोर्स ने कहा कि रूसी सेना ने तीन केएच-59/केएच-69 कूज मिसाइलें दागीं और एक मिसाइल गिनी-विसाऊ के झंडे तले चल रहे व्यापारी जहाज गोल्डन लियो के दाहिने हिस्से से टकराई, जिससे आग लग गई। आठ नाविकों को बचाया गया और ओडेसा के अस्पताल ले जाया गया।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा, पूरे दिन , रूसी फेडरेशन की आर्म्ड फोर्सें ने यूक्रेन के पोर्ट्स और यूक्रेन की आर्म्ड फोर्सें (एएफयू) के फायदे के लिए काम करने वाले जहाजों पर हमले जारी रखे।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमले में जहाज-रोधी ओनिक्स मिसाइलों, हवा से दागी जाने वाली कूज मिसाइलों और लोडट्रिंग म्यूनिशन का इस्तेमाल करते हुए बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।मंत्रालय ने जिन लक्ष्यों का उल्लेख किया, उनमें ओडेसा बंदरगाह के पास लंगर डाले दो मालवाहक जहाज भी शामिल थे, जिनके बारे में दावा किया गया कि वे सैन्य सामान लेकर जा रहे थे।

ट्रंप प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, पाकिस्तानी मूल के व्यक्ति की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने की पहल

वाशिंगटन (एजेंसी)

पाकिस्तान में जन्मे एक आदमी पर अमेरिकी इमिग्रेशन का लाभ पाने के लिए कई पहचान इस्तेमाल करने का आरोप है। वह उन 10 नागरिकता वाले नागरिकों में से एक है जिन्हें नागरिकता रद्द करने का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप सरकार इसे अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा नागरिकता रद्द करने की कोशिश करार दे रही है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग(डीएचएस) और न्याय विभाग(डीओजे) ने पिछले 30 दिनों में कई ऐसे मामलों में ना गरिकता रद्द करने (डीनेचुरलाइजेशन) की कार्रवाई शुरू की है, जिनमें आरोपियों पर बच्चों के यौन शोषण, स्वास्थ्य बीमा धोखाधड़ी, आब्रजन धोखाधड़ी और कोकीन तस्करी जैसे गंभीर अपराधों के आरोप हैं।

ट्रंप सरकार का कहना है कि इन मामलों में उन लोगों की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने की मांग की गई है, जिन्होंने कथित तौर पर महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर, गलत जानकारी देकर या अवैध तरीके से अमेरिकी नागरिकता हासिल की।

सरकार ने जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है, उनमें 65वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक मुर्तजा अली भी शामिल हैं। शिकायत के अनुसार , उन्होंने स्थायी निवास(ग्रीन कार्ड) और बाद में 2009में अमेरिकी नागरिकता हासिल करने से पहले अलग-अलग नामों से कई आब्रजन आवेदन दाखिल किए थे। नागरिकता उन्होंने मोहम्मद इकबाल नाम से प्राप्त की थी।संघीय अधिकारियों के मुताबिक, बाद में फिंगरप्रिंट जां'च से पता चला कि विभिन्न पहचान के साथ दाखिल किए गए सभी आब्रजन आवेदन एक ही व्यक्ति ने किए थे।

सरकार ने बताया कि 2014 में मुर्तजा अली ने अमेरिकी सरकारी एजेंसी को झूठी और भ्रामक जानकारी देने का दोष स्वीकार किया था। उन्होंने माना था कि उन्होंने तीन अलग-अलग पहचान का इस्तेमाल कर तीन अलग-अलग आब्रजन लाभ संबंधी आवेदन दाखिल किए थे।अमेरिका ने टेक्सास के नॉर्दन डिस्ट्रिक्ट में 14जुलाई को चार-काउंट नागरिकत रद्द करने से संबंधित कार्रवाई की, जिसमें आरोप लगाया गया कि उसने इमिग्रेशन फ्रॉड, अपने नैतिक चरित्र पर बुरा असर डालने वाले गैर-कानूनी कामों, नागरिकता प्राप्त करने (नेचुरलाइजेशन) की प्रक्रिया के दौरान झूठी गवाही और जरूरी बातें छिपाकर नागरिकता हासिल की।

कार्रवाई की घोषणा करते हुए, डीएचएस सचिव मार्कवेन मुलिन ने कहा , जब आप नागरिकता हासिल करने की प्रक्रिया के दौरान धांधली करते हैं, तो आप अपनी अमेरिकी नागरिकता रखने का



अधिकार खो देते हैं। इन क्रिमिनल एलियंस ने वह अधिकार खो दिया और हमारे इमिग्रेशन सिस्टम का फायदा उठाया और असली अमेरिकी नागरिकों को नुकसान पहुंचाया। इनमें ड्रग ट्रैफिकर, पीडोफाइल और धोखेबाज शामिल हैं। डीएचएस यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हम अपने पास मौजूद हर टूल का इस्तेमाल करके इन धोखेबाजों को डीनैचुरलाइज करें और हटा दें। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैच ने कहा, इन दस क्रिमिनल एलियंस , जिनमें बच्चों का यौ न शोषण करने वाले, लगभग 900.000 डॉलर का मेडिकेयर फ्रॉड करने वाला और एक कोकीन तस्कर शामिल हैं, ने झूठ बोलकर अमेरिका की नागरिकता हासिल की। इनमें से हर व्यक्ति में कानून के हिसाब से अच्छे नैतिक चरित्र की कमी थी और उन्होंने जानबूझकर गलत जानकारी देकर और अपने अपराधों को छिपाकर नागरिकता हासिल की। राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में, यह अमेरिका के न्याय विभाग के नागरिकता देने की प्रक्रिया में ईमानदारी लाने के लिए नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाता रहेगा।असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल ब्रेट ए. शुमेट ने कहा कि सरकार इस कोशिश को और बढ़ाना चाहती है। उन्होंने कहा, हम उन अपराधी को फ्री पास देने से मना करते हैं जिन्होंने धोखे से अमेरिकी नागरिकता हासिल की है।

उन्होंने कहा, इस सरकार के तहत, अगर आपने नागरिकता हासिल करने की प्रक्रिया में धोखाधड़ी की, तो आपको न्याय विभाग की पूरी ताकत का सामना करना पड़ेगा।

रुय से जंग के बीच यूक्रेन में राष्ट्रपति जेलेंस्की का बड़ा एक्शन, आर्मी चीफ को पद से हटाया

कीव (एजेंसी)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सेना के कमांडर-इन-चीफ जनरल ओलेक्सान्द्र सिस्की को



पद से हटाकर उनकी जगह मिखाइलो ड्रुपाती को नया सेना प्रमुख नियुक्त किया है। यह फैसला कीव समेत देश के कई शहरों में पिछले कई दिनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच लिया गया।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि सैन्य कमांडरों के साथ कई बैठकों के बाद यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य स्पष्ट है—दुश्मन पर जीत हासिल करना और रूस पर ऐसा दबाव बनाना कि वह शांति की दिशा में आगे

बढ़ते को मजबूर हो।

राष्ट्रपति ने जनरल सि स्की के कार्यकाल की सराहना करते हुए कीव की रक्षा, खारकीव और कुर्स्क अभियानों में उनके यो गदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की मजबूत मोर्चाबंदी में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। नवनियुक्त सेना प्रमुख मि खाइलो ड्रुपाती ने फैसबुक पर कहा कि देश की सेवा करना उनके लिए हमेशा सम्मान की बात रही है और मौजूदा युद्ध के दौर में यह सबसे बड़ी जि म्मेदारी है। उन्होंने सिस्की का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि वह पूरी प्रतिबद्धता के साथ सेना का नेतृत्व करेंगे। जेलेंस्की ने नए सैन्य नेतृत्व को रक्षा रणनीति में सुधार , सेना के आधुनिकीकरण, हथियारों और ड्रोन की तेज आपूर्ति, एयर डिफेंस को मजबूत करने तथा पारदर्शी और प्रभावी सैन्य भर्ती व्यवस्था तैयार करने के निर्देश दिए हैं। पिछले कुछ दिनों से प्रदर्शनकारी जनरल सिस्की को हटाने की मांग कर रहे थे। उनका आरोप था कि वह सोवियत दौर की सैन्य कार्यशैली पर निर्भर हैं और सेना में जरूरी सुधारों की गति धीमी कर रहे हैं।

इसी बीच रक्षा मंत्री पद से हटाए गए मिखाइलो फेदोरोव ने भी सिस्की की सार्वजनिक रूप से आलोचना करते हुए कहा था कि युद्ध में सफलता के लिए यूक्रेन को नए नेतृत्व और तेज सैन्य सुधारों की आवश्यकता है। बढ़ते विरोध के बाद सरकार ने सेना के शीर्ष नेतृत्व में बदलाव का फैसला लिया।

जलवायु संकट और बढ़ते संघर्ष से विश्व धरोहरों पर मंडरा रहा खतरा:यूनेस्को

बुसान (एजेंसी)

यूनेस्को ने जलवायु परिवर्तन और बढ़ते संघर्ष के बीच वैश्विक धरोहरों पर मंडराते खतरे का उल्लेख किया। शीर्ष अधिकारियों ने सोमवार को जलवायु परिवर्तन और सशस्त्र संघर्षों से विश्व की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को लेकर वैश्विक जागरूकता



और सामूहिक स्तर पर निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी शहर बुसान में आयोजित वलड हेरिटेज कमेटी(विश्व धरोहर समिति) के 48वें सत्र के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में यूनेस्को के संस्कृति मामलों के सहायक महानिदेशक नॉयेफ अल-फायेज ने कहा कि विश्व धरोहर स्थलों का लगातार हो रहा विनाश पूरी वैश्विक समुदाय पर मिलकर समाधान खोजने की बड़ी जिम्मेदारी डालता है।

रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं या संघर्षों के बाद मरम्मत करने के बजाय पहले से रोकथाम के उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, भौतिक क्षति की भरपाई कई बार संभव होती है, लेकिन प्रभावित समाजों को होने वाली मानसिक और सांस्कृतिक क्षति की भरपाई करना बेहद कठिन होता है।उन्होंने कहा, इस जिम्मेदारी को निभाना केवल सरकारों का काम नहीं है। इन स्थलों पर रहने वाले लोगों, वहां काम करने वालों और उन्हें देखने आने वाले पर्यटकों की भी समान जिम्मेदारी है।

ट्रंप का नया टैरिफ ऐलानःजेनेरिक दवाओं पर 200प्रतिशत शुल्क की चेतावनी, भारत को फिलहाल 2साल की राहत

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ को लेकर बड़ा ऐलान किया है। कनाडा पर 50त्र टैरिफ की घोषणा के बाद अब उन्होंने अमेरिका में आयात होने वाली जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200त्र तक टैरिफ लगाने की योजना पेश की है। हालांकि भारत के लिए राहत की बात यह है कि अगले दो वर्षों तक इन दवाओं पर 0त्र टैरिफ लागू रहेगा।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रथ सोशल पर बताया कि 1 अगस्त से अगले दो वर्षों तक जेनेरिक दवाओं पर कोई टैरिफ नहीं लगेगा। इसके बाद तीसरे वर्ष 100त्र और फिर 200त्र तक टैरिफ लागू किया जाएगा।

ट्रंप ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य जेनेरिक दवाओं का उत्पादन अमेरिका में वापस लाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अमेरिका में उत्पादन इकाइयां स्थापित नहीं करने वाली कंपनियों पर कार्रवाई की जाएगी। भारत को दुनिया की 'फार्मसी' कहा जाता है। अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली हर पांच जेनेरिक दवाओं में से एक भारत में बनती है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार, वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब डॉलर की जेनेरिक दवाएं निर्यात कीं, जो भारत के कुल दवा निर्यात 25.8अरब डॉलर का लगभग 38त्र है। भारत हर साल अमेरिका को 10 अरब डॉलर से अधिक की जेनेरिक दवाएं निर्यात करता है। ऐसे में ट्रंप के नए ऐलान से तत्काल कोई असर नहीं पड़ेगा , क्योंकि अगले दो वर्षों तक भारतीय दवा कंपनियां बिना अतिरिक्त टैरिफ के निर्यात जारी



रख सकेंगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि दो वर्षों की यह छूट भारतीय दवा कंपनियों को भविष्य की रणनीति तैयार करना का अवसर देगी। इस दौरान वे अमेरिका में उत्पादन इकाइयां स्थापित करने, स्थानीय कंपनियों के साथ साझेदारी बढ़ाने और संभावित ऊंचे टैरिफ के प्रभाव को कम करने की दिशा में कदम उठा सकती हैं।अमेरिकी फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, अमेरिका में बिकने वाली 90त्र से अधिक दवाएं जेनेरिक हैं। ट्रंप ने स्पष्ट कि या कि यह नई नीति केवल जेनेरिक दवाओं पर लागू होगी, जबकि पेटेंट, ब्रांडेड और इनोवेटिव दवाओं की मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

एफसीआई को हस्तांतरण तक खाद्यान्न का समुचित भंडारण एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए: प्रो. असीम कुमार घोष

चंडीगढ़ (संवाददाता)

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि प्रदेश में प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी विभाग के कार्यों को अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए आधुनिक एवं नवीनतम प्रौद्योगिकी को अपनाने की संभावनाओं पर विचार किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने आज यहाँ हरियाणा लोक भवन में उनसे शिष्टाचार भेंट करने आये प्रदेश के प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी राज्य मंत्री राजेश नागर के साथ शिष्टाचार भेंट के दौरान यह बात कही। बैठक के दौरान राज्य मंत्री द्वारा राज्यपाल को प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी विभाग की कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों की जानकारी दी गई। उन्होंने विभागीय कार्यों में दक्षता बढ़ाने, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा कार्यों के समयबद्ध निष्पादन के लिए आधुनिक तकनीक एवं नवाचार आधारित प्रणालियों को अपनाने पर भी बल दिया। प्रो. असीम कुमार घोष ने राजेश नागर, जिनके पास खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता



मामले विभाग का प्रभार भी है, के कार्यों की भी निगरानी से समीक्षा की। खाद्य सुरक्षा के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने विभाग द्वारा खरीदे गए खाद्यान्न के भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पूल में हस्तांतरण तक उसके समुचित भंडारण एवं

खरखवाव को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीदे गए खाद्यान्न की गुणवत्ता एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खाद्य सुरक्षा एवं आवश्यक वस्तुओं

की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध-राजेश नागर

राजेश नागर ने राज्यपाल को अवगत कराया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नागरिकों को खाद्य सुरक्षा एवं आवश्यक वस्तुओं की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि विभाग न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं एवं धान सहित विभिन्न खाद्यान्नों की खरीद, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का प्रभावी संचालन , पात्र लाभार्थियों को रियायती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने तथा राज्यभर में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का दायित्व निभा रहा है। बैठक में मंत्री ने राज्यपाल को सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने तथा आपजन तक सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की भी जानकारी दी।

31 अगस्त तक बकाया संपत्ति कर जमा करने पर ब्याज में 75 प्रतिशत की एकमुश्त छूट

सोनीपत (संवाददाता)

हरियाणा सरकार के शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा संपत्ति करदाताओं को बड़ी राहत प्रदान करते हुए वर्ष 2010-11 से 2024-25 तक के लंबित संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) पर देय ब्याज में 75 प्रतिशत की एकमुश्त छूट देने की विशेष योजना लागू की गई है। यह योजना उन सभी संपत्ति करदाताओं के लिए सुनहरा अवसर है, जिन पर पिछले वर्षों का संपत्ति कर बकाया है। नगर निगम आयुक्त ने बताया कि इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए करदाताओं को 31 अगस्त तक अपना समस्त बकाया संपत्ति कर जमा करना होगा। इसके साथ ही प्रॉपर्टी टैक्स ड्यूज पेमेंट एवं नो-ड्यूज सर्टिफिकेट मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर अपनी संपत्ति का स्व-प्रमाणिकरण करना भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शुरू की गई यह विशेष योजना करदाताओं को आर्थिक राहत प्रदान करने के साथ-साथ संपत्ति अभिलेखों को अद्यतन एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। समय सीमा के भीतर कर जमा करने से करदाता ब्याज में 75 प्रतिशत की छूट का लाभ प्राप्त कर सकेंगे तथा भविष्य में अनावश्यक ब्याज एवं अन्य देयताओं से भी बच सकेंगे।

कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि



सोनीपत (संवाददाता)

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ,में बुधवार को कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस, वीरता एवं सर्वोच्च बलिदान को नमन करना तथा युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, सेवा-भाव एवं देश के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने कारगिल विजय दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए तथा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के मा ध्म्य से वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही कारगिल युद्ध पर आधारित एक प्रेरणादायी डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया, जिससे विद्यार्थियों को भारतीय सेना के अदम्य साहस और बलिदान से परिचित होने का अवसर मिला। कार्यक्रम का संचालन एवं मार्गदर्शन वरिष्ठ वर्ग अनुदेशक सुरेश कुमार की देखरेख में किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक सैन्य विजय का उत्सव नहीं,

बल्कि भारत की राष्ट्रीय एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने कठिनतम परिस्थितियों में अद्वितीय साहस का परिचय देते हुए 'ऑपरेशन विजय' को सफल बनाया और कारगिल की दुर्गम चोटियों पर पुनः तिरंगा फहराकर पूरे राष्ट्र का गौरव बढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे वीर सैनिकों के त्याग, समर्पण और अनुशासन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि यह दिवस हमें उन वीर सैनिकों, उनके परिवारों तथा देश की सीमाओं की सुरक्षा में दिन-रात समर्पित सभी सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने भी कारगिल विजय दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शहीदों के बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर हरेन्द्र सिंह ,सुरेन्द्र कुमार, सुभाष चन्द्र , दीपक ,सीमा देवी ,सुनील कुमारी,जगदीश राणा ,हरदीप , अमित कटारिया ,अनिल , राजेश गौतम ,प्रदीप सहित संस्थान के अन्य स्टाफ सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राहुल गांधी व विपक्षी नेताओं पर बल प्रयोग निंदनीय, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और परीक्षा प्रणाली में सुधार जरूरी:भूपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़ (संवाददाता)

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राहुल गांधी समेत तमाम विपक्षी नेताओं के खिलाफ किए गए बल प्रयोग की

कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दों को लेकर शांतिप्रिय प्रदर्शन करना देश के प्रत्येक नागरिक और जनप्रतिनिधि का अधिकार व दायित्व है। तमाम विद्यार्थियों और विपक्ष की मांग पूरी तरह जायज है। आज सारा देश शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है, बावजूद इसके केंद्र की भाजपा सरकार जिद पर अड़ी हुई है। उनका इस्तीफा मांगने की बजाय वह विपक्ष और जनता की आवाज को कुचलने की कोशिश कर रही है। अपने आवास पर हुड्डा पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा ने हरियाणा को भी पेपर लीक का गढ़ बना दिया है। पिछले लगभग 12 साल से जिम्मेदार विपक्ष होने के नाते कांग्रेस लगातार इस मुद्दे को उठा रही है। सरकार ने इसकी जांच का ढकोसला तो किया , लेकिन न तो कभी जांच रिपोर्ट सामने आई और न ही दोषियों पर कार्रवाई हुई। यानी चाहे हरियाणा हो या केंद्र, दोनों जगह सरकार पेपर लीक को संरक्षण दे रही हैं। ऐसे में सरकार की जवाबदेही तय होनी जरूरी है। इसीलिए देशभर के विद्यार्थी एग्जाम प्रक्रिया में रिफॉर्म को लेकर आंदोलनरत हैं। उनसे बात करके उनकी मांगें मानने की बजाय सरकार उन पर लाठीचार्ज करवा रही है, जो निंदनीय है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि देशभर की तरह हरियाणा में भी कांग्रेस इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठा रही है। किसानों से संबंधित सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ कृषि उत्पादों की कोई भी डील भारत के हित में नहीं हो सकती। जब इस डील की तमाम शर्तें और प्रावधान सामने आ जाएंगे, तभी वह इस पर विस्तार से टिप्पणी करेंगे।

देश के किसान और नौजवान के प्रति सरकार का अन्यायपूर्ण बर्ताव स्वीकार्य नहीं:दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि देश के किसान और नौजवान के प्रति सरकार का अन्यायपूर्ण बर्ताव स्वीकार्य नहीं है। बीजेपी सरकार ने पहले ही किसान के साथ बहुत बड़ा धोखा दिया है। किसान आंदोलन के समय हुए समझौते में MSP की कानूनी गारंटी आदि जो बातें मानी गई थी उनमें से कोई मांग पूरी की नहीं गई और अब देश के किसान को अमेरिका के साथ ट्रेड डील के नाम पर भारी नुकसान पहुंचाने का इंतजाम कर दिया है। इस डील में अमेरिका के किसानों का उत्पाद हिंदुस्तान के बाजार में लाया जाएगा। जो देश के किसान को स्वीकार्य नहीं है और इसीलिए किसान दोबारा उठ खड़ा हुआ है। लेकिन हरियाणा की किसान विरोधी बीजेपी सरकार उसी तरीके से बैरिगेडिंग लगाकर खनौरी बॉर्डर पर किसानों को रोकने का प्रयास कर रही है। दीपेन्द्र हुड्डा ने बीजेपी सरकार को चेताया कि वो ये न भूले कि खनौरी बॉर्डर के इस तरफ हरियाणा भी बैठा है। अगर इसी तरीके से देश के किसान और नौजवान के प्रति सरकार का बर्ताव रहेगा तो पूरा हरियाणा, पूरा देश उठकर आएगा। इससे पहले दीपेन्द्र हुड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवा स के बाहर कांग्रेस सांसदों के साथ धरना दिया। कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा , जय प्रकाश, वरुण चौधरी और सतपाल ब्रह्मचारी ने पेपर लीक घोटालों के खिलाफ न्याय की मांग को लेकर देश भर से आए नौजवान छात्रों के शांतिपूर्ण संसद मार्च के दौरान हुई बर्बर पुलिसिया कार्रवाई में घायल छात्रों और उनके परिवार से नयी दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में जाकर मुलाकात की और उनका हाल जाना। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि संसद मार्च के दौरान देश के नौजवानों पर बर्बर लाठीचार्ज लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दाग कर उनकी आवाज कुचलना पूरी तरह अस्वीकार्य है, इसकी जितनी निंदा की जाए कम होगी। लोकतंत्र में लोगों की आवाज लाठियों के बल पर और निषेध की आवाज माइक बंद करके नहीं दबाई जा सकती। न युवाओं की आवाज दबेगी, न विपक्ष की आवाज दबेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस



कमिश्नर जवाब दें कि सिविल ड्रेस में लाठियाँ भांजने वाले कौन पुलिसकर्मी थे या वो किसी राजनीतिक दल से जुड़े लोग थे। भाजपा की पेपर लीक सरकार शिक्षा माफियाओं को संरक्षण दे रही और अपने हक की आवाज उठा रहे विद्यार्थियों पर लाठियां , आँसू गैस के गोले बरसा रही है। दीपेन्द्र हुड्डा ने युवा छात्रों की आवाज लोकसभा में उठाई लेकिन , बीजेपी की पेपर लीक सरकार ने जवाबदेही से बचने के लिए लोकसभा ही स्थगित करवा दी। सांसद दीपेन्द्र ने कहा कि अगर देश के नौजवानों और छात्रों की चिंताओं पर भारत की संसद में चर्चा नहीं होगी, तो क्या लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स में होगी उन्होंने कहा कि संसद में पेपर लीक, शिक्षा व परीक्षा प्रणाली पर विस्तृत चर्चा और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी छा त्रों के संघर्ष को निष्कर्ष तक पहुंचाएगी। कांग्रेस सांसदों ने मांग करी कि देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तुरंत इस्तीफा दें। देश की संसद में शिक्षा व्यवस्था व परीक्षा प्रणाली पर चर्चा कराई जाए और आमूलचूल बदलाव किए जाएँ। क्योंकि शिक्षा और परीक्षा प्रणाली से देश के युवाओं का भरोसा उठ चुका है। जिसके लिए बीजेपी सरकार जिम्मेदार है। कांग्रेस सांसदों ने मांग करी कि देश के युवाओं की बात सुनी जाए। नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी युवाओं के साथ है।

अपराध नियंत्रण ट्रेफिक प्रबंधन और आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए विकसित होगा हाईटेक सिस्टम



सोनीपत (संवाददाता)

सोनीपत को सुरक्षित, स्मार्ट और तकनीक आधारित शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सो नीपत महानगरीय विकास प्राधिकरण(SMDA) द्वारा एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र (Integrated Command and Control Centre-ICCC) की स्थापना की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को पुलिस आयुक्त कार्यालय में पुलिस आयुक्त ममता सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसएमडीए ए मोना श्रीनिवासन तथा नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार व एसएमडीए की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीना हुड्डा की संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आईसीसीसी की कार्ययोजना, तकनीकी आवश्यकताओं, निगरानी तंत्र तथा विभिन्न वि भागों के समन्वय पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने कहा कि यह परियोजना शहर में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, कानून-व्यवस्था, आपदा प्रबंधन तथा नागरिक सेवाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाएगी।बैठक में निर्णय लि या गया कि शहर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों पर अत्याधुनिक सीसीटीवी एवं एआई आधारित निगरानी कैमरे स्थापित किए जाएंगे। साथ ही विशेषज्ञों की टीम द्वारा अतिरिक्त रणनीतिक स्थानों का सर्वे कर कैमरों की संख्या एवं स्थान का अंतिम निर्धारण किया जाएगा।

प्रस्तावित निगरानी नेटवर्क के तहत जी.टी. रोड (एनएच-44) कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग-334बी तथा ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे सहित शहर के सभी प्रमुख प्रवेश एवं निकास मार्गों को आधुनिक कैमरा नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, जिससे वाहनों की आवाजाही पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। इसके अतिरिक्त शहर के अपराध संभावित क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, जुलूस मार्गों, ट्रैफिक जाम वाले क्षेत्रों, रेलवे स्टेशन , बस अड्डों, मुख्य बाजारों, पर्यटन स्थलों, विद्यालयों, राजकीय महाविद्यालयों, सरकारी अस्पतालों, यातायात जंक्शनों, प्रशासनिक कार्यालयों तथा अन्य महत्वपूर्ण सरकारी परिसंपत्तियों को भी इस हाईटेक निगरानी प्रणाली के दायरे में लाया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि एसएमडीए, पुलिस विभाग एवं नगर निगम संयुक्त रूप से विभिन्न स्थ लों का निरीक्षण(Site Assessment) करेंगे तथा तकनीकी विशेषज्ञों के साथ परामर्श कर परियोजना के क्रियान्वयन की विस्तृत रूपरेखा को अंतिम रूप देंगे, ताकि एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र का निर्माण समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके।इस परियोजना के लागू होने के बाद शहर में अपराधों की रोकथाम, ट्रैफिक प्रबंधन, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई तथा नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक तकनीकी आधार मिलेगा।

जुल्म की हर कार्रवाई जन आंदोलन की आग को और भड़काएगी:राव नरेंद्र सिंह

पंचकुला (संवाददाता)

देशभर के छात्रों की न्यायोचित मांगों के समर्थन में चल रहे शांतिपूर्ण आंदोलन पर हुए लाठीचार्ज तथा पेपर लीक के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे भा रतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष रा हुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बाड़ा, कांग्रेस सांसदों, नेताओं एवं छात्रों के विरुद्ध की गई दमनात्मक और बर्बर कार्रवाई के विरोध में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को पंचकुला स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय का जोरदार घेराव कर विरोध-प्रदर्शन किया। हरियाणा कांग्रेस मामलों के प्रभारी संजय दत्त के मार्गदर्शन तथा हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिं ह के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए छात्रों के लाइन)भेज दिया।थाना परिसर में कांग्रेस नेताओं ने जोरदार नारेबाजी की। हरियाणा कांग्रेस मामलों के प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि केंद्र सरकार छा त्रों के भविष्य से जुड़े गंभीर प्रश्नों का उत्तर देने के बजाय दमन और गिरफ्तारी का रास्ता अपना रही है। शांतिपूर्ण आंदोलन पर लाठीचार्ज लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है, जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तत्काल इस्तीफा दें।पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं के



मुद्दे पर संसद में तत्काल चर्चा कराई जाए। छात्रों एवं आंदोलनकारियों के विरुद्ध दर्ज सभी एफआईआर और मुकदमे तत्काल वापस लिए जाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छा त्रों के न्याय, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष लगातार जारी रखेगी।हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार यह ध्म पाल रही है कि लाठीचार्ज, गिरफ्तारियों और दमन से छात्रों की आवाज़ को दबाया जा सकता है, जबकि वास्तविकता यह है कि आंदोलन की यह चिंगारी अब जनआक्रोश की ज्वाला बनकर पूरे देश में फैलने वाली है। उन्होंने कहा कि भाजपा को अपनी जनविरोधी नीतियों और कारयुजारियों का राजनीतिक परिणाम भुगतना ही पड़ेगा। युवाओं , छात्रों और आम जनता में सरकार के प्रति आक्रोश लगातार बढ़ रहा है और यही जनआक्रोश लोकतांत्रिक तरीके से अहंकार और तानाशाही की राजनीति को

पराजित करेगा।राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस छात्रों के अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष जारी रखेगी तथा भाजपा सरकार के हर दमनात्मक कदम का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी। इस अवसर पर चंद्रमोहन, आफताब अहमद, भारत भूषण बत्रा, गीता भुक्कल, परमवीर सिंह, इंदु राज नरवाल, चंद्र प्रकाश, बलराम डोगी , जस्सी पेटवाड़, देवेन्द्र हैंस, गोकुल सेतिया , समस्त विधायक, पूर्व विधायक प्रदीप चौधरी, लहरी सिंह व अर्जुन सिंह, पंचकुला जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय चौहान, अंबाला ग्रामीण के अध्यक्ष दुय्यंत चौहान, अंबाला शहरी के प्रधान पवन अग्रवाल, अंबाला कैंट के अध्यक्ष परचंदर परी, यमुनानगर ग्रामीण के अध्यक्ष नरपाल सिंह, यमुनानगर शहरी के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, जूँद के अध्यक्ष कृष्णपाल, रविन्द्र रावल, अग्रणी संगठनों एवं विभागों के पदाधिकारी तथा सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक्काकल्चर और तंबाकू किसानों के साथ खड़ी सरकार: उचित दाम और निर्यात बढ़ाने का वादा:पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्काकल्चर क्षेत्र को मजबूत करने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि इससे भारत की तटीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, किसानों की आजीविका बेहतर होगी और निर्यात वृद्धि के नए अवसर पैदा होंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म'एक्स' पर एक पोस्ट में गोयल ने बताया कि उन्होंने आंध्र प्रदेश के एक्काकल्चर और तंबाकू उद्योग से जुड़े पक्षकारों के साथ सार्थक बातचीत की।

गोयल ने कहा,"हमने भारत की तटीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए एक्काकल्चर क्षेत्र को और सशक्त बनाने के अवसरों पर चर्चा की।"उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को उचित मूल्य, बेहतर बाजार पहुंच और निर्यात बढ़ाने के नए अवसर उपलब्ध कराकर उनकी आजीविका को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन प्रयासों से आंध्र प्रदेश की आर्थिक प्रगति को भी गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि एक्काकल्चर राज्य के प्रमुख निर्यात केंद्रित क्षेत्रों में से एक है और भारत के सीफूड निर्यात में इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

बैठक में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू किंजारापु, भारी उद्योग एवं इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा, भाजपा नेता डी. पुरंदेश्वरी, टीडीपी संसदीय दल के नेता लावू श्रीकृष्ण देवरायालु तथा आंध्र प्रदेश के मंत्री के. अबुल्लायाडू, गोट्टीपाटी रवि कुमार और डोला बाला वीरंजनय स्वामी भी शामिल हुए।

यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इसी दिन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के एक्काकल्चर और तंबाकू किसानों के हितों की रक्षा के लिए केंद्र सरकार से कई कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बड़ती उत्पादन लागत और वैश्विक बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच किसानों को



राहत देने की जरूरत है।मुख्यमंत्री ने गोयल समेत केंद्रीय मंत्रियों को अलग-अलग पत्र लिखकर झींगा चारा बनाने वाली इकाइयों के लिए जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) सोयाबीन मील के आयात की अनुमति देने, घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए फिश मील के निर्यात को विनियमित करने, तंबाकू निर्यात पर प्रोत्साहन देने, एक्काकल्चर से जुड़े प्रमुख इनपुट पर जीएसटी कम करने और अमरावती में राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) का क्षेत्रीय

कार्यालय स्थापित करने की मांग की।

पीयूष गोयल को लिखे अपने पत्र में चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि फिश मील के निर्यात को इस तरह नियंत्रित किया जाए कि पहले घरेलू मांग पूरी हो, उसके बाद ही विदेशों में निर्यात की अनुमति दी जाए। उन्होंने जीएम सोयाबीन मील के आयात की अनुमति देने की मांग भी दोहराई और कहा कि इससे कमी दूर होगी तथा झींगा पालकों के लिए चारे की लागत कम करने में मदद मिलेगी।

सपाट ओपनिंग के बीच निवेशकों का झुकाव मिडकैप और स्मालकैप की ओर

मुंबई (एजेंसी)

भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत मंगलवार को सपाट हुई। सेंसेक्स 58अंक या 0.08 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 77,649 और निफ्टी 22अंक या 0.09 प्रतिशत की गिरावट के



साथ 24,216पर था।

बाजार में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मेटल, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी ऑयल एंड गैस हरे निशान में थे।

दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी रियल्टी जैसे सूचकांक लाल निशान में थे।

व्यापक आधार पर बाजार में खरीदारी देखी जा रही है। निफ्टी मिडकैप 100इंडेक्स 140अंक या 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 62,945और निफ्टी स्मॉलकैप 100इंडेक्स 71अंक या 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,399पर था।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट , इंडिगो, एसबीआई, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व , एशियन पेट्रोल, आईटीसी, एचयूएस, बीईएल और एलएंडटी गेनर्स थे। एचडीएफसी बैंक, इटरनल, सन फार्मा, मारुति सुजुकी, एमएंडएम और एक्सिस बैंक लूजर्स थे।

ट्रंप के नए 50 प्रतिशत टैरिफ पर कनाडा के पीएम कार्नी ने जताई बातचीत की इच्छा

कनाडा (एजेंसी)

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कनाडा के कई सामानों पर 50फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। अमेरिकी सरकार की ओर से की गई इस कार्रवाई को लेकर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क



कार्नी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि कनाडा के लोगों के फायदे के लिए अमेरिका के साथ इन मुद्दों पर बातचीत करने को तैयार है। पीएम कार्नी की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया, अमेरिकी सरकार ने आज कई कनाडाई सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का अपना इरादा जाहिर किया है। यह अमेरिका के एकतरफा व्यापारिक कार्रवाई की कड़ी का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत अमेरिका द्वारा कनाडा-यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको एग्रीमेंट(सीयूएसएमए) का सीधा उल्लंघन करते हुए कई टैरिफ लगाने से हुई थी, जो कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको के बीच मुक्त व्यापार समझौता है।उन्होंने कहा कि इनमें सीयूसएमए का उल्लंघन करते हुए कनाडाई

ऑटो सेक्टर पर टैरिफ लगाना शामिल है। कनाडा ने, जैसा कि उसका अधिकार है, बस उन उपायों का पालन किया है। इन उपायों और कनाडाई संप्रभुता के लिए खतरों के जवाब में, प्रांत, क्षेत्र और तट से तट तक के कनाडाई एक साथ खड़े हुए हैं और हमारी अर्थव्यवस्था का समर्थन करते और हमारे मजदूरों, किसानों, व्यवसायों और परिवारों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए हैं। कनाडाई पीएम ने कहा कि अमेरिका पिछले 18 महीनों में सीयूएसएमए के तहत आने वाले व्यापारिक संबंधों समेत अपने सभी व्यापार संबंधों को बदल रहा है, कनाडा ने इस विवाद को सुलझाने और सीयूएसएमए को मॉडर्न बनाने के लिए कई विस्तृत और बड़े प्रस्ताव दिए हैं। हम आने वाले हफ्तों में उन बातचीत को और तेज करने के लिए तैयार हैं।

कार्नी ने कहा कि कनाडा अमेरिका के साथ सुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत करने को तैयार है। उन्होंने कहा,"कनाडा मुक्त और निष्पक्ष व्यापार के फायदों में विश्वास करता है, जैसा कि हमारी नई सरकार द्वारा 20से ज्यादा नई आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर करने से पता चलता है। इस व्यापार विवाद ने परिवारों के लिए, खासकर अमेरिका में खर्च बढ़ा दिया है। कनाडा अपने नागरिकों के आपसी फायदे के लिए अमेरिका के साथ बाकी मुद्दों को सुलझाने के लिए पूरी तरह से बातचीत करने के लिए तैयार है।"

उन्होंने कहा कि सभी हालात में, कनाडा लगातार काम करेगा और अपने देश में अपनी ताकत बनाने और कनाडाई मजदूरों, किसानों, बिजनेस और परिवारों को समर्थन करने के लिए जरूरी कदम उठाएगा।

सोने-चांदी की कीमतों में फिर बढ़ोतरी 24 कैरेट गोल्ड 1.43लाख के पार खरीदने से पहले जान लें लेटेस्ट रेट

नई दिल्ली (एजेंसी)

सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी देखने को मिली। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमशः



1.43 लाख रुपए प्रति 10ग्राम और चांदी का दाम 2.23 लाख रुपए प्रति 10ग्राम से अधिक हो गया है।इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईडीजेए) के मुताबिक, 24कैरेट सोने का दाम 883रुपए या 0.61प्रतिशत बढ़कर 1,43,137रुपए प्रति 10ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,42,254रुपए प्रति 10ग्राम था। 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,305 रुपए प्रति 10ग्राम से बढ़कर 1,31,113रुपए प्रति 10ग्राम हो गई है।वहीं, 18कैरेट सोने का दाम 1,06,691रुपए प्रति 10ग्राम से बढ़कर 1,07,353रुपए प्रति 10ग्राम हो गया है।सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी तेजी देखी गई है।चांदी का दाम 3,629रुपए या 1.65प्रतिशत बढ़कर 2,23,204 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,19,575 रुपए प्रति किलो था।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी में तेजी देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक सोने का 5अगस्त, 2026का कॉन्ट्रैक्ट 0.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,42,550रुपए प्रति 10ग्राम पर और चांदी का 4सितंबर, 2026का कॉन्ट्रैक्ट 2.13प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,23,057रुपए प्रति 10ग्राम पर था।

भारत का जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर चमका, जून में निर्यात 26फीसदी से ज्यादा बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत का रत्न एवं आभूषण निर्यात जून में सालाना आधार पर 26.5 प्रतिशत बढ़कर 2.21अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी इंडस्ट्री डेटा में दी गई। वित्त वर्ष 27की पहली तिमाही(अप्रैल-जून 2026)में निर्यात बढ़कर 6.61अरब डॉलर हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 0.04प्रतिशत अधिक है। जून 2026में कुल आयात 10.06प्रतिशत बढ़कर 1.7 2 अरब डॉलर आयात रहा, जबकि वित्त वर्ष 2027की पहली तिमाही में इसमें 5.9प्रतिशत की गिरावट आई और यह 4.97अरब डॉलर रह गया।

रत्न एवं आभूषण निर्यात में यह सकारात्मक बदलाव इसलिए भी खास है क्योंकि यह सेक्टर लंबे समय से वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। पिछली कुछ तिमाही में निर्यात में भी कमी आई थी। जून में कंटे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 84.67 करोड़ डॉलर हो गया, जो एक साल पहले 77.88 करोड़ डॉलर था। हालांकि, अप्रैल-जून की अवधि में इस कैटेगरी का निर्यात 4.1 प्रतिशत घटकर 2.72करोड़ डॉलर रह गया। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कंटे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात 8.9 प्रतिशत बढ़कर 39.8 लाख कैरेट हो गया। इस अवधि में प्रति कैरेट औसत मूल्य 681.7 डॉलर रहा।यह रुझान अंतरराष्ट्रीय बाजार में हीरे के आभूषणों की मांग में फिर से तेजी आने का संकेत देता है। साथ ही, आने वाले हॉलिडे सीजन में विक्री बेहतर रहने की उम्मीद और व्यापार के लिए घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) की तुलना में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) को अधिक प्राथमिकता मिलने की ओर भी इशारा



करता है। विश्लेषकों का अनुमान है कि यह सकारात्मक रुझान आगे अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में और मजबूत हो सकता है। जून 2026 में अपरिष्कृत हीरों का सकल आयात 70.03 करोड़ डॉलर रहा, जबकि अप्रैल-जून तिमाही में यह सालाना आधार पर 32.4 प्रतिशत घट गया। मात्रा के लिहाज से जून में रफ हीरों का सकल आयात 66.9 लाख कैरेट रहा, जो 8.6 प्रतिशत कम था।रफ हीरों के व्यापार में गिरावट का मिलसिला जारी है, क्योंकि विदेशी बाजारों में मांग की अनिश्चितता को देखते हुए भारतीय आभूषण निर्माता नई खरीदारी करने से पहले मौजूदा स्टॉक को कम करने पर ध्यान दे रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अंतिम उपभोक्ताओं की मांग बढ़ने की संभावना है, जिससे इस उत्पाद श्रेणी के आयात चक्र को

भी स्वाभाविक रूप से गति मिलेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, तैयार लैब-ग्रोन हीरों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, क्योंकि अनिश्चितताओं के बीच उपभोक्ता कीमतों के प्रति अधिक सजग रुख अपना रहे हैं। यह श्रेणी कीमत के प्रति संवेदनशील ग्राहकों के लिए प्राकृतिक हीरों का एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरी है और भविष्य में इसके और मजबूत होने की संभावना है। जून में सोने के आभूषणों का निर्यात 54.5 प्रतिशत बढ़कर 1.09 अरब डॉलर पहुंच गया , जिसमें जड़ाऊ आभूषणों का सबसे बड़ा योगदान रहा। हालांकि, सादे सोने के आभूषणों के निर्यात में तिमाही के दौरान मिश्रित रुझान देखने को मिला। वहीं, पहली तिमाही में चांदी और प्लैटिनम के आभूषणों के निर्यात में भी 20 से 27 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

रियल एस्टेट सेक्टर में उछाल: अप्रैल-जून के दौरान संस्थागत निवेश 1.9 अरब डालर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेशक 2026 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में तिमाही आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 1.9अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट में बताया गया कि 2026 की पहली छमाही (जनवरी से जून) में संस्थागत निवेशकों ने कुल 3.5अरब डॉलर का निवेश किया , जो कि 2025 में समान अवधि में किए गए निवेश की तुलना में करीब 6 प्रतिशत अधिक है। यह दिखाता है कि वैश्विक अनिश्चितता के बाद भी भारत में रियल एस्टेट आधार पर निवेशकों का विश्वास बना हुआ है। फर्म ने अनुमान जताया ,”2026 की दूसरी छमाही को देखते हुए , भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक वृत्तियाद और वृत्तियादी ढांचे पर आधारित निरंतर विकास के समर्थन से संस्थागत निवेश गतिविधियां स्थिर रहने की उम्मीद है।"रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी तिमाही में ऑफिस एसेट्स ने निवेश प्रवाह पर दबदबा बनाए रखा। इस श्रेणी में लगभग 1 अरब डॉलर का निवेश आया, जो कुल निवेश का 5 1 प्रतिशत रहा। यह लगातार चौथी तिमाही है जब ऑफिस एसेट्स निवेश के मामले में सबसे आगे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि निवेशकों की यह लगातार बढ़ती प्राथमिकता ऑफिस सेक्टर की दीर्घकालिक मजबूत वृत्तियाद और स्थिर आय देने की इसकी क्षमता पर उनके धरोसे को दर्शाती है।ऑफिस रियल एस्टेट में निवेशकों की रुचि को मुख्य रूप से ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की मजबूत मांग , प्रमुख ऑफिस बाजारों में घटती वैकेंसी और प्रीमियम माइक्रो-मार्केट्स में



लगातार बढ़ते किराये का समर्थन मिल रहा है। डेटा सेंटर दूसरी तिमाही में पूंजी आकर्षित करने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र बनकर उभरा , जिसने कुल निवेश का 40प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। इस क्षेत्र में बढ़ती हिस्सेदारी डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर संपत्तियों के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाती है। इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग, क्लाउड सेवाओं के विस्तार और डेटा लोकलाइजेशन संबंधी आवश्यकताओं से बढ़ती मांग का समर्थन मिल रहा है। 2026 की पहली छमाही में घरेलू संस्थागत निवेशकों का निवेश 2.2 अरब डॉलर रहा, जो कुल निवेश गतिविधियों का 64प्रतिशत था। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 43

प्रतिशत हिस्से की तुलना में तेज वृद्धि को दिखाता है। कुशमैन एंड वेकफील्ड के कैपिटल मार्केट्स के एग्जीक्यूटिव मैनेजिंग डायरेक्टर सोमी थॉमस ने कहा कि निवेशक अब अधिक स्कैल और बेहतर डाइवर्सिफिकेशन हासिल करने के लिए पोर्टफोलियो और मल्टी-सिटी निवेश अवसरों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। वहीं, विदेशी निवेश 1.3 अरब डॉलर रहा, जो कुल निवेश का 36 प्रतिशत था। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 57प्रतिशत हिस्से से कम है। दूसरी तिमाही 2026 में प्राइवेट इक्विटी निवेशक संस्थागत पूंजी के सबसे बड़े स्रोत बने रहे। उनका योगदान कुल निवेश का 85 प्रतिशत रहा, जबकि आरईआईटी (रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट) आधारित निवेशों की हिस्सेदारी 15प्रतिशत रही।

संपादकीय

यूके व्यापार समझौते से प्रत्येक भारती के लिए बड़े अवसर खुलेंगे

आज से, यूके को होने वाले भारत के लगभग सभी निर्यात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगेगा। इससे हमारे छोटे व्यवसायों, किसानों , मछुआरों, नवोन्मेषकों, महिलाओं और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे, क्योंकि परिवर्तनकारी व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) आज से लागू हो रहा है।यह भारत का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता(एफटीए) है और यह बड़ी संख्या में नौकरियों और व्यापार- अवसरों का सृजन करके समृद्धि लाएगा। इससे भारतीय निरमाताओं को धीरे-धीरे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा और हर नागरिक को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान प्राप्त करने का लाभ मिलेगा। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047मिशन को भी तेज गति मिलेगी।

व्यवसायियों में उत्साह है। उनके पास यूके को माल भेजने के लिए विस्तृत योजनाएं हैं। रत्न और आभूषण निर्यातकों को उम्मीद है कि यूके को होने वाला निर्यात अगले तीन साल या उससे भी कम समय में 230त्र बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा , जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों को उम्मीद है कि अगले 4-5सालों में यूके को होने वाली बिक्री लगभग दोगुनी होकर 7.5अरब डॉलर तक पहुँच जाएगी। पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की मौजूदगी में हस्ताक्षर हुए इस समझौते से, जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है, लगभग 99त्र टैरिफ लाइनों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा। इसमें लगभग 100त्र व्यापार मूल्य शामिल हैं, जिससे भारतीय निर्यात, जो वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद पहले से ही तेज़ी से बढ़ रहा है, के लिए अपार अवसर पैदा होंगे।

युवा सोच, वैश्विक अवसर यह जन-केंद्रित एफटीए 15जुलाई से लागू हो रहा है, जो विश्व युवा कौशल दिवस भी है। 2015में इसी दिन पीएम मोदी ने कौशल भारत मिशन की शुरुआत की थी , जो हमारे युवाओं को न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, योगदान देने और नेतृत्व करने में सक्षम बना रहा है।

भारतीय युवाओं के लाभ के लिए, यूके ने अब तक की अपनी सबसे व्यापक सेवा-संबंधी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिसमें सभी प्रमुख सेवा क्षेत्र और भारत के लिए निर्यात की दृष्टि से महत्वपूर्ण 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं। बेहतर बाजार पहुँच और नियामक स्पष्टता से भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं , वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में समर्थन मिलेगा। रोजगार के अवसर युवाओं को रोजगार के ज़्यादा मौके मिलेंगे, क्योंकि बेहतर पहुँच के साथ रत्न और आभूषण, वस्त्र, चमड़ा और जूते , जैविक रसायन, प्लास्टिक, वाहन कल-पुर्जे, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-गहन क्षेत्र अपने कामकाज का विस्तार करेंगे।

कुल मिलाकर, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक पहुंच का बढ़ावा देकर और प्रतिस्पर्धा क्षमता में सुधार करके, सीईटीए भारतीय युवाओं को जरूरी कौशल और अवसर प्रदान करेगा, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सार्थक भूमिका निभा सकें और विकास में योगदान दे सकें।

सीईटीए का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरी योगदान व्यवस्था। यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीईटीए के साथ लागू हो रही है, भारतीय श्रमिकों और नियोक्ताओं को अस्थायी कार्य-भार के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट देती है। कर्मचारियों के लिए अस्थायी विदेशी कार्य-भार पर निरंतर सामाजिक सुरक्षा कवरेज से 75,000से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900से अधिक कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर उगाएं , वैश्विक स्तर पर बेचें भारतीय किसानों को 37.5बिलियन डॉलर के ब्रिटेन के बाजार तक आसान पहुंच से फायदा होगा। इससे भारतीय डेयरी उत्पादों, चाय, कॉफी, मसालों , फलों, सब्जियों, फलों के रस, मांस और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। यूके के लगभग 95त्र कृषि आयात भारत के लिए शुल्क- मुक्त होंगे। इस विशाल बाजार में निर्यात तीन वर्षों में 50त्र तक बढ़ सकता है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और कृषि मूल्य श्रृंखला में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

अडानी प्रकरण भारतीय उद्योग जगत की छवि खराब करने का षड्यंत्र!

वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा आज महत्व पूर्ण हथियार बन चुकी है। ऐसे समय में यदि किसी तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े औद्योगिक समूह पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं, तो उसका प्रभाव उस कंपनी के साथ ही उस देश पर भी पड़ता है, जहां से उस कंपनी का मीधा संबंध रहता है। ऐसे में पूरे देश की निवेश छवि, वित्तीय विश्वसनीयता और औद्योगिक प्रतिष्ठा पर पड़ता है।

वस्तुत : अडानी समूह से जुड़ा अमेरिकन विवाद भी इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए, क्योंकि हाल के घटनाक्रमों में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा स्वयं अपने मुकदमे के कानूनी आधार, अधिकार-क्षेत्र और साक्ष्यों पर पुनर्विचार करते हुए उसे आगे न बढ़ाने की दलील देना इस बहस को नई दिशा देता है। यह संदेह पैदा होता है कि कहीं यह पूरा प्रकरण सिर्फ इसलिए तो तैयार नहीं किया गया, ताकि भारत की तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति की वैश्विक छवि को प्रभावित किया जा सके।

आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। किंतु यह अनायास नहीं है, पांच ट्रिलियन डॉलर का अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हो, आत्मनिर्भर भारत का संकल्प हो या वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में बढ़ते कदम, गहरायी से देखें तो इन सभी के पीछे देश के बड़े औद्योगिक समूहों का असाधारण योगदान है। ये उद्योग समूह भारत की आर्थिक शक्ति, रोजगार , नवाचार, निर्यात और आधारभूत संरचना के सबसे मजबूत स्तंभ हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगभग 11.75 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वार्षिक का रोबार दर्ज किया है। अडानी समूह का समेकित कारोबार लगभग 2.92 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच चुका है। आदित्य बिड़ला समूह का वैश्विक कारोबार 65अरब डॉलर से अधिक है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का वार्षिक राजस्व एक लाख करोड़ रुपये से ऊपर है, जबकि टाटा समूह का वैश्विक कारोबार अनेक लाख करोड़ रुपये तक फैला हुआ है। ओ.पी . ज़िंदल समूह इस्पात, ऊर्जा और अवसंरचना क्षेत्रों में देश की औद्योगिक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। इस तरह से अनेक भारतीय कंपनियों के आंकड़े दिए जा सकते हैं। वस्तुत : ये आंकड़े कॉरपोरेट सफलता के प्रतीक होने के साथ ही भारत के लिए उस आर्थिक सामर्थ्य का प्रमाण हैं जिसने उसे विश्व अर्थव्यवस्था में नई पहचान दि लाई है। हिंडुनबर्ग की रिपोर्ट के

अति पर्यटन कहीं चौपट न कर दे पर्यटन उद्योग को

भारतीय संस्कृति में अतिथि को बहुत महत्व दिया गया है। भारत की संस्कृति का प्राचीन सिद्धांत है- अतिथि देवो भवः। इस कथन में अतिथि को देवताओं के तुल्य माना गया है। आधुनिक पर्यटन के वर्तमान दौर में अनियंत्रित, अनियोजित एवं असंयोजित अति जन पर्यटन ने भारतीय संस्कृति के इस प्राचीन सिद्धांत को अप्रासंगिक बना दिया है। पर्यटक स्थलों की क्षमता से कई गुना अधिक भीड़, घोर बाजारवाद और उपभोक्तावाद ने अतिथि और आतिथ्यकर्ता के मैत्रीपूर्ण व्यवहार में खटास घोल दी है। दोनों के मध्य का सौहार्द गड़बड़ा गया है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता से अधिक पर्यटकों के आवागमन से मेहमान और मेजबान के बीच टकराव की घटनाओं में यकायक बढ़ोतरी हुई है। पहाड़ के पर्यटक स्थलों में आए दिन पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के बीच छोटी -छोटी बातों पर लड़ाई-झगड़े , गाली-गलौच , मारपीट और हाथापाई जैसी अप्रिय घटनाएं सामने आ रही हैं। अति पर्यटन के कारण उत्तराखंड के पर्यटक स्थलों में पर्यटकों से संबंधित अपराध बढ़ रहे हैं।

पर्यटन कुप्रबंधन के कारण उत्तराखंड के पर्यटन स्थ लों में पचना के की क्षमता नहीं रह गई है। अनियंत्रित पर्यटन ने पहा ड के आधारभूत सुविधाओं के ढांचे को चरमरा दिया है। बड़ी संख्या में

बाद जिस प्रकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अडा नी समूह को लेकर माहौल बनाया गया, उससे भारतीय शेयर बाजार में अस्थायी अस्थिरता आई और वैश्विक निवेशकों के बीच अनेक आशंकाएं पैदा हुईं। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई चर्चाओं ने अडानी समूह के बाजार मूल्य को प्रभावित किया।करोड़ों नि वेशकों की पूंजी प्रभावित हुई और भारत के कॉरपोरेट गवर्नेस पर भी सवाल उठाने का प्रयास किया गया, लेकिन बाद के घटनाक्रमों ने तत्त्वीर का दूसरा पक्ष भी सामने रखा।

भारतीय नियामक संस्थाओं की जांच, उच्चतम न्यायालय की निगरानी में हुई प्रक्रिया और अब अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा अपने ही मुकदमे के आधार पर गंभीर कानूनी प्रश्न उठाना यह संकेत देता है कि प्रारंभिक आरोपों को जिस प्रकार वैश्विक विमर्श का विषय बनाया गया, वह पूरी तरह निर्बिवाद नहीं था। जब स्वयं अभियोजन पक्ष अपने मामले की कानूनी मजबूती पर पुनर्विचार करने लगे, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या शुरुआती नैरेटिव ने भारत की औद्योगिक छवि को आवश्यकता से अधिक नुकसान पहुंचाया यहां हम सभी को यह भी समझना होगा कि भारत के बड़े उद्योगपति सिर्फ लाभ अर्जित करने वाले कारोबारी नहीं हैं। वे देश के सबसे बड़े रोजगार सृजक, करदाता और निवेशक भी हैं। रिलायंस, टाटा, अडानी, बिड़ला, जिंदल और एचसीएल जैसे समूह प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों की आजीविका का आधार बने हुए हैं। यही कंपनियां हर वर्ष सरकार को हजारों करोड़ रुपये का कर देती हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण योजनाओं को गति मिलती है।

देश के बंदरगाह, हवाई अड्डे, राजमार्ग, मेट्रो नेटवर्क, ऊर्जा परियोजनाएं , डिजिटल कनेक्टिविटी, दूरसंचार, हरित ऊर्जा, डेटा सेंटर , कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर जैसे भविष्य के क्षेत्रों में भी सबसे बड़ा निवेश इन्हीं उद्योग समूहों द्वारा किया जा रहा है। यदि भारत आज वैश्विक सप्लाई चेन का महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो उसके पीछे इन उद्योगपतियों की दीर्घकालिक निवेश क्षमता और जोखिम उठाने का साहस बहुत अधिक मायने रखता है।

वैश्विक निवेशक किसी एक कंपनी को अलग-थलग करके नहीं देखते। वे पूरे देश की नीतियों, नियामक व्यवस्था और कारोबारी वातावरण का आकलन करते हैं। ऐसे में यदि भारत के सबसे बड़े

भारत के वस्त्र उद्योग में सततता की बुनावट: भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला में चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना

पर्यटकों के आवागमन से पहाड़ की अधिकांश मोटर सड़कें दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट गई हैं। लोगों को घंटों सड़क जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। पहाड़ में एक घंटे के सफर में दस घंटे लग रहे हैं। गाड़ियों की भीड़ और जाम से समूचा पहाड़ त्रस्त है। स्थानीय निवासियों की दैनंदिन की गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। अति जन पर्यटन से पहाड़ में भौतिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक समस्याएं उत्पन्न होने लगी हैं। वहन क्षमता से अधिक पर्यटकों के आने से मेजबान और मेहमान के बीच टकराव बढ़ा है। उत्तराखंड में पर्यटन प्रबंध की मां ग और आपूर्ति में सामंजस्य बैठाने वगैर अनियंत्रित पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जबकि यहां स्थानीय संसाधनों के अनुसार सही प्रबंधन और नियोजित पर्यटन की आवश्यकता है। जब स्थानीय निवासियों के लिए चलने को सड़क- रास्ते न बचें, बुनियादी सुविधाओं का अभाव हो और स्थानीय लोगों की रोजमर्रा की आवश्यकताओं एवं सुविधाओं को नजरअंदाज कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए तो स्थानीय लोगों के मन में पर्यटकों के प्रति शत्रुता का भाव उत्पन्न होने की आशंका बन जाती है। पर्यटन के इस अनियोजित विकास में स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं की सरा सर अनदेखी की जा रही है।

औद्योगिक समूहों में से किसी एक के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक माहौल बनाया जाता है, तो उसका असर विदेशी निवेश , शेयर बाजार, पूंजी प्रवाह और भारत की आर्थिक विश्वसनीयता पर पड़ना स्वभाविक है।

भारत आज केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार होने के साथ ही विश्व का उभरता हुआ उत्पादन, नवाचार और निवेश केंद्र बन चुका है। हरित ऊर्जा, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा निर्माण, सेमीकंडक्टर, लॉजिस्टिक्स और आधुनिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में भारतीय उद्योग समूह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यही कारण है कि आज भारतीय कंपनियां दुनिया के अनेक देशों में निवेश कर रही हैं और भारत को वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ा रही हैं।

ऐसे समय में किसी भी भारतीय उद्योग समूह पर लगने वाले आरोपों का मूल्यांकन तथ्यों, कानून और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होना चाहिए, न कि पूर्वाग्रहों या अंतरराष्ट्रीय प्रचार के आधार पर। यदि किसी मामले में बाद में स्वयं जांच एजेंसियां अपने शुरुआती रुख पर पुनर्विचार करती दिखाई दें, तो यह आवश्यक हो जाता है कि पूरे घटनाक्रम का मूल्यांकन भी नए तथ्यों के आलोक में किया जाए।

क्योंकि किसी एक उद्योग समूह की प्रतिष्ठा पर लगने वाला आघात सिर्फ एक कॉरपोरेट विवाद तक सीमित न रहकर दूरगामी असर छोड़ता है। स्वभाविक तौर पर ऐसे प्रकरणों में इसका प्रभाव भारत की आर्थिक छवि, वैश्विक निवेश वातावरण और विकसित भारत के सपने तक महसूस किया जाता है। यही कारण है कि देश के वेल्थ क्रिएटर्स का निष्पक्ष मूल्यांकन तथ्यों, पारदर्शिता और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होना चाहिए, क्योंकि भारतीय संदर्भों में उनकी सफलता में ही भारत की आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और भविष्य की समृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार है। अब जब अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा अपने मुकदमे के कानूनी आधार और अधिकार-क्षेत्र पर पुनर्विचार करने की बात स्वीकार कर ली गई है, तब हर भारतीय को चाहिए कि वह अपने स्तर पर इससे जुड़ी सभी सच्चाई लोगों के सामने लेकर आए, क्योंकि बात यहां सिर्फ अडानी संस्थान की नहीं है, वास्तव में भारत के उद्योग जगत की छवि खराब करने का यह वैश्विक षड्यंत्र था! यह स्थापित किया जाना भविष्य में भारत को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में अत्यधिक आवश्यक है।

भारत के वस्त्र उद्योग में सततता की बुनावट: भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला में चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना

सुनियोजित पर्यटन व्यवस्था के लि ए स्थानीय क्षमताओं की समझ होना जरूरी है। पर्यटकों की अति भीड़ स्थानीय लोगों के लिए भौतिक एवं सामाजिक बोझ न बने इसके लिए पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता के आधार पर पर्यटकों की संख्या को नियंत्रण में रखना आवश्यक है। अति पर्यटन से स्थानीय लोगों के मन में पर्यटकों के प्रति विद्वेष का भाव उत्पन्न हो जाता है, यह स्थिति पर्यटन उद्यम के लि ए हि तकर नहीं है। उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों की लोकप्रियता और उनकी व्यावसायिक उपयोगिता को बनाए रखने के लिए पर्यटकों की संख्या सुनिश्चित करना आवश्यक है।

स्थानीय निवासियों से मधुर संबंध और सहयोग से ही पर्यटन उद्योग को टिकाऊ और दीर्घजीवी बनाया जा सकता है। स्थानीय लोगों का सहयोग तभी मिलेगा जब पर्यटन से उनके रोजमर्रा के कामों में व्यवधान उत्पन्न न हो और उन्हें पर्यटन से आर्थिक लाभ प्राप्त हो। उत्तराखंड में पर्यटन उद्योग को दीर्घकालिक बनाना है तो अनियंत्रित पर्यटन पर प्रभावी अंकुश लगाने और पर्यटन गतिविधियों को सीधे स्थानीय लोगों की आजीविका से जोड़ने की आवश्यकता है। इसके वगैर मेजबान और मेहमान के बीच सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण रिश्ते कायम नहीं हो सकते हैं। □□□□

भारत के वस्त्र उद्योग में सततता की बुनावट: भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला में चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना

भारत का वस्त्र एवं परिधान उद्योग देश की अर्थव्यवस्था, विनिर्माण और निर्यात का एक मजबूत आधार है। यह क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 2प्रतिशत तथा विनिर्माण सकल मूल्य संबंधन में लगभग 11प्रतिशत का योगदान देता है। भारत वैश्विक स्तर पर वस्त्र एवं परिधान का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है और विश्व निर्यात में उसकी लगभग 4प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह उद्योग 4.5करोड़ से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराता है, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण श्रमिक शामिल हैं। बदलते वैश्विक बाजार और पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच भारत अब वस्त्र उद्योग में चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्कूलर इकोनॉमी) को बढ़ावा देकर सतत विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार जैविक रेशों, सुरक्षित रसायनों, पुनर्चक्रण, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण-अनुकूल प्रमाणन और उत्पादों की ट्रेसबिलिटी (उत्पत्ति का पता लगाने की व्यवस्था) जैसी पहलों को प्रोत्साहित कर रही है।

क्या है चक्रीय अर्थव्यवस्था

चक्रीय अर्थव्यवस्था ऐसी व्यवस्था है, जिसमें उत्पादों और संसाधनों का अधिकतम समय तक उपयोग किया जाता है। पुराने उत्पादों का पुन : उपयोग, पुनर्चक्रण और अपसाइक्लिंग(पुरानी वस्तु को अधिक उपयोगी उत्पाद में बदलना) करके अपशिष्ट और प्रदूषण को कम किया जाता है। इससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है और उत्पादन अधिक टिकाऊ बनता है।

भारत में वस्त्र अपशिष्ट का बड़ा हिस्सा हो रहा पुन: उपयोग भारत में हर वर्ष लगभग 78 लाख टन वस्त्र अपशिष्ट का प्रबंधन किया जाता है। इनमें से 90 प्रतिशत से अधिक अपशिष्ट कारखानों और उपभोक्ताओं से प्राप्त होता है। कुल अपशिष्ट का 70 प्रतिशत से अधिक भाग पुन: प्राप्त कर पुनर्चक्रण, पुन: उपयोग या अपसाइक्लिंग में लगाया जाता है।

उपभोक्ता से पहले उत्पन्न होने वाले वस्त्र अपशिष्ट का लगभग 95 प्रतिशत संगठित मूल्य श्रृंखला के माध्यम से वापस उत्पादन में

उपयोग किया जाता है। कताई उद्योग में लगभग पूरा अपशिष्ट पुन: उत्पादन प्रक्रिया में शामिल कर लिया जाता है। वहीं उपयोग के बाद फेंके गए वस्त्रों का लगभग 55 प्रतिशत लैंडफिल में जाने से बचा लिया जाता है।

यह संपूर्ण व्यवस्था देश में 40से 45लाख लोगों की आजीविका का आधार बनी हुई है, जिसमें महिलाओं और वंचित वर्गों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

देश के सफल वस्त्र पुनर्चक्रण मॉडल

नवी मुंबई मॉडल

नवी मुंबई के बेलापुर में देश की पहली तग़र निगम आधारित वस्त्र पुनर्प्राप्ति सुविधा स्थापित की गई है। यहां अब तक 30मीट्रिक टन वस्त्र अपशिष्ट एकत्र किया गया, 25.5मीट्रिक टन की छंटाई की गई तथा 41हजार से अधिक उत्पाद तैयार किए गए हैं। 400से अधिक अपसाइक्लिंग नमूने विकसित किए गए और 1.14 लाख परिवारों तक इसकी पहुंच बनी है।

पानीपत बना पुनर्चक्रण का प्रमुख केंद्र

हरियाणा का पानीपत देश का सबसे बड़ा वस्त्र पुनर्चक्रण केंद्र बन चुका है। यहां प्रतिदिन लगभग 3500से 5250टन वस्त्र अपशिष्ट का प्रसंस्करण किया जाता है। यहां संग्रहण, छंटाई, पुनर्चक्रण और बुनाई की समग्र व्यवस्था विकसित हो चुकी है।

मंगोलपुरी का कतरन बाजार

दिल्ली के मंगोलपुरी में स्थित कतरन बाजार अनौपचारिक क्षेत्र के सफल पुनर्चक्रण मॉडल का उदाहरण है। यहां प्रतिदिन 10 टन से अधिक कपड़े की कतरन छोटकर पानीपत भेजी जाती है, जिससे पुनर्चक्रण उद्योग को कच्चा माल मिलता है।

जैविक रेशों और प्राकृतिक फाइबर को बढ़ावा सरकार जैविक कपास और अन्य प्राकृतिक रेशों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है।

राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम के माध्यम से जैविक कपास सहित विभिन्न उत्पादों का प्रमाणन किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक राजेश त्यागी एवं मुद्रक अभिन्न कुमार द्वारा अभी प्रिटिंग प्रेस 17, जी प्लोर, निथिर पीठ बाजार पुलिया जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 से मुद्रित कर 1030, सेक्टर 18, ब्लाक ई, ओमेक्स सिटी, सोनीपत, हरियाणा-131029 से प्रकाशित किया। संपादक: राजेश त्यागी 9250993497

तनाव दिमाग पर कैसे हावी हो रहा है, लंबे समय तक स्ट्रेस में रहने से क्या असर होता है



मानसिक बीमारियों का खतरा बढ़ता है अनिर्बंधित तनाव चिंता (Anxiety) अवसाद (Depression) पैसिक अटक और नींद से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकता है। लगातार तनाव में रहने वाले लोगों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा , निराशा और सामाजिक दूरी बढ़ने लगती है। यदि समय रहते इसका समाधान न किया जाए , तो यह व्यक्ति के पारिवारिक, सामाजिक

और पेशेवर जीवन को भी प्रभावित कर सकता है। नींद होती है खराब तनाव का सीधा असर नींद पर पड़ता है। कई लोगों को रात में नींद नहीं आती, बार-बार नींद खुल जाती है या सुबह उठने पर भी थकान महसूस होती है। पर्याप्त नींद न मिलने से दिमाग को आराम और खुद को पुनर्स्थापित करने का समय नहीं मिल पाता, जिससे तनाव का ये चक्र और भी

गहरा हो जाता है। शरीर पर तनाव का असर मानसिक तनाव केवल दिमाग तक सीमित नहीं रहता। लंबे समय तक तनाव रहने से हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, मधुमेह, पाचन संबंधी समस्याएं, सिरदर्द , माइग्रेन और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली जैसी शारीरिक समस्याओं का खतरा भी बढ़ सकता है। कब समझें कि तनाव गंभीर हो गया है यदि दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक लगातार उदासी, अत्यधिक चिंता, किसी काम में मन न लगना, बार-बार गुस्सा आना, नींद या भूख में बदलाव, कामकाज की क्षमता में कमी या रोज की जिम्मेदारियां निभाने में कठिनाई महसूस हो रही है, तो इसे सामान्य तनाव मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है। तनाव से बचने के आसान उपाय रोजाना कम से कम 30मिनट व्यायाम करें नियमित रूप से पैदल चलने की आदत बनाएं रात में कम से कम 78घंटे की अच्छी नींद लें योग, ध्यान और गहरी सांस लेने का अभ्यास करें परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं अपनी भावनाओं को किसी के साथ शेयर करें मोबाइल और सोशल मीडिया का सीमित उपयोग करें संतुलित आहार लें कैफीन, शराब और नशे से दूर रहें काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाएं जरूरत पड़ने पर'नॉ' कहना भी सीखें

चीजी मिल्क बर्फी, बिना मावा के भिनटों में करें तैयार, आसान है रेसिपी



बच्चों को मीठा खाना खूब पसंद होता है। टॉफी, कैंडी, चॉकलेट और लॉलीपॉप बच्चों की पहली पसंद होती हैं। लेकिन बाहर की बनी ये चीजें मीठे के साथ-साथ आर्टिफिशियल कलर और केमिकल मिलाकर बनती हैं। ऐसे में अच्छा होगा कि बच्चों को घर पर बनी कोई स्वीट खिलाई जाए। आप बच्चों के लिए चीजी मिल्क बर्फी बना सकते हैं। ये खाने में बहुत टेस्टी और बनाने में आसान हैं। इसके लिए न तो मावा की जरूरत होगी और न ही बहुत ज्यादा किसी दूसरी सामग्री की आवश्यकता होगी। आप कुछ मिनटों में एकदम सॉफ्ट और स्पंजी बर्फी बनाकर तैयार कर सकते हैं। फटाफट नोट कर लें चीजी मिल्क बर्फी की रेसिपी।

पहला स्टेप- 1कप फुल क्रीम दूध कड़ाही में डाल दें। अब इसमें आधा कप चीनी, आधा कप कॉर्नफ्लोर अच्छी तरह से मिला लें। कुछ देर आपको गुठली जैसी नजर आएंगी। अब इसमें 2कप दूध और मिला दें। अब गैस तेज करके लगातार चलाते हुए दूध को पकाएं।

दूसरा स्टेप- इसमें 2-3चीज स्लाइस तोड़कर डाल दें। ऊपर से 1 चम्मच देसी धी और इलायची पाउडर डाल दें। दूध को लगातार चलाते रहें और जब ये गाढ़ा हो तो इसे जमाने के लिए एक धी लगी ट्रे में डाल दें। आपको मिश्रण को बहुत ज्यादा गाढ़ा नहीं करना है।

तीसरा स्टेप- इसे सेट करने के लिए 1घंटे के लिए रख दें। अब इसे ट्रे से निकालकर अपनी पसंद की शेप में काट लें। एकदम चीजी बर्फी बनकर तैयार है।

शरीर की सूजन बन रही है बीमारियों की जड़, डाक्टर से जानें इसे नेचुरली कम करने के तरीके

अगर आपके शरीर में बार-बार सूजन बनी रहती है, तो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज न करें। लंबे समय तक रहने वाली



सूजन गंभीर बीमारियों के खतरे को बढ़ा सकती है। ऐसे में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य ने अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि शरीर की सूजन क्यों होती है और इसे नेचुरली कम करने के लिए किन आसान डाइट को अपनाना चाहिए

शरीर में सूजन होने से कौन सी बीमारियां हो सकती हैं

डॉक्टर के अनुसार, शरीर में सूजन एक दिन में नहीं होती, बल्कि यह धीरे-धीरे विकसित होने वाली प्रक्रिया है। खराब खानपान, पर्याप्त नींद न लेना, लगातार तनाव, शारीरिक गतिविधि की कमी,

धूम्रपान , मोटापा और कुछ पुरानी बीमारियां शरीर में लंबे समय तक सूजन बढ़ा सकती हैं। इसलिए समय रहते इन कारणों की पहचान करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना जरूरी है। शरीर में सूजन होने से डायबिटीज, दिल से जुड़ी बीमारियां, किडनी डैमेज, लिबर की बीमारियां, थायराइड, एलर्जी मोटापा और जोड़ों की समस्याओं समेत कई जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है किन फूड्स को खाने से सूजन होगा कम बेरीज़ : डॉक्टर कहते हैं कि स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, रसभरी, ब्लैकबेरी, जामुन और अनार, अमरुद, संतरा, जैसे फलों में विटामिन सी, पॉलीफेनोल्स और एंटी ऑक्सीडेंट्स होता है जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कंट्रोल करने में मददगार माने जाते हैं। ये कलर फूड्स सिर्फ इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में ही नहीं बल्कि सूजन को कम करने में भी कारगर है। डॉक्टर शुभम वात्स्य कहते हैं कि जब शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है तो उस वजह से शरीर में सूजन भी बढ़ती है। इसलिए आप अपनी डाइट में इन फलों को शामिल करें। इसलिए हरी पत्तेदार सब्जियां: पालक, मेथी, सरसो और बथुआ, ब्रोकली, पत्तागोभी , शिमला मिर्च जैसी पत्तेदार सब्जियां, गाजर जैसी सब्जियां फाइनर, फोलेट, कैल्शियम , मैग्निशियम और प्लांट एंटी ऑक्सीडेंट्स प्रोवाइड करते हैं। इसलिए अगर आपको अपने शरीर का सूजन कम करना है तो इन हरी सब्जियों को अपनी डाइट में जरूर साहिल करें। दालें :डॉक्टर के अनुसार, शरीर की सूजन कम करने के लिए अपनी डाइट में दाल, चना, राजमा और लोबिया जैसी फलियों को जरूर शामिल करें। ये एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर और पौध-आधारित प्रोटीन से भरपूर होती हैं, जो शरीर में सूजन कम करने और ओवरऑल हेल्थ को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकती हैं।

दिमाग से जुड़ी 5 बीमारियां जो युवाओं में तेजी से बढ़ रही हैं, जान लें क्या हैं लक्षण और इनसे कैसे बच सकते हैं

आजकल की लाइफस्टाइल तेज-रफ्तार से भाग रही है। जिसमें बढ़ता मानसिक तनाव, अनियमित दिनचर्या, प्रदूषण और बढ़ती उम्र शरीर में कई बीमारियों का कारण बन रही है। खासतौर से इस लाइफस्टाइल के लोगों को दिमाग से जुड़ी बीमारियां ज्यादा हो रही हैं। पिछले कुछ सालों में दिमाग से जुड़ी बीमारियों के मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। डॉक्टर आदित्य गुप्ता(डायरेक्टर , न्यूरोसर्जरी एवं साइबरनाइफ, आर्टिसि हॉस्पिटल, गुरुग्राम) ने बताया कि पहले जिन न्यूरोलॉजिकल समस्याओं को केवल बुजुर्गों तक सीमित माना जाता था, अब वो युवाओं और मध्यम आयु वर्ग में भी तेजी से सामने आ रही हैं। अच्छी बात यह है कि समय रहते पहचान और सही इलाज से इनमें से कई बीमारियों के गंभीर प्रभावों को रोका जा सकता है। दिमाग से जुड़ी तेजी से बढ़ने वाली 5बीमारियां स्ट्रोक- आज सबसे तेजी से बढ़ने वाली न्यूरोलॉजिकल बीमारियों में से एक स्ट्रोक यानि ब्रेन अटैक है। यह तब होता है जब मस्तिष्क तक रक्त का प्रवाह रुक जाता है या कि सी रक्त वाहिका के फटने से ब्लीडिंग होने लगती है। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, धूम्रपान, मोटापा और बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल इसके खतरे को कई गुना बढ़ा देते हैं।स्ट्रोक के लक्षण- अचानक चेहरे का टेढ़ा होना, एक हाथ या पैर में कमजोरी, बोलने में कठिनाई, संतुलन बिगड़ना या अचानक दृष्टि धुंधली होना।ब्रेन ट्यूमर- मस्तिष्क की बीमारियों में ब्रेन ट्यूमर के मामले भी काफी बढ़ने लगे हैं। यह ट्यूमर सौम्य(Benign) या घातक (Malignant) दोनों प्रकार का हो सकता है। इसमें आज आधुनिक न्यूरोसर्जरी, माइक्रोस्कोपिक तकनीकों और साइबरनाइफ जैसी उन्नत तकनीकों से अच्छा सफल इलाज संभव है। ब्रेन ट्यूमर के लक्षण- लगातार सिरदर्द, बार-बार उल्टी, दौरे पड़ना, शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी या व्यवहार में बदलाव जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।



पार्किंसन रोग -एक समय था जब इसे बुढ़ापे की बीमारी माना जाता था, लेकिन पार्किंसन एक प्रगतिशील न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क की वे कोशिकाएं प्रभावित होती हैं जो शरीर की गतिविधियों को नियंत्रित करती हैं। पहले यह बीमारी मुख्य रूप से बुजुर्गों में देखी जाती थी, लेकिन अब अपेक्षाकृत कम उम्र के लोगों में भी इसके मामले सामने आ रहे हैं। लक्षण - हाथों में कंपन, चलने में कठिनाई, शरीर का अकड़ना और गतिविधियों का धीमा हो जाना। अल्जाइमर और डिमेंशिया- भारत में बढ़ती बुजुर्ग आबादी के साथ अल्जाइमर और अन्य तरह के डिमेंशिया के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसमें धीरे-धीरे याददाश्त कमजोर होने लगती है, निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है और व्यक्ति की दैनिक गतिविधियां भी प्रभावित होने लगती हैं।

सिर्फ मसाला नहीं, ओषधी गुणों से भरपूर है कलौंजी, डाक्टर ने बताए इसके फायदे और इस्तेमाल का सही तरीका



कलौंजी का इस्तेमाल तड़के से लेकर अचार में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसकी सुगंध खाने का स्वाद कई गुना बढ़ा देती है। लेकिन क्या आप जानते हैं यह छोटा मसाला सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य ने अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि कलौंजी के बीजों में थाइमोक्विनोन नामक पावरफुल बायोएक्टिव कंपाउंड होता है, जो अपने एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इन्फ्लेमेटरी और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। ऐसे में कलौंजी का अगर सही तरीके से सेवन किया जाए तो यह सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हो सकती है। चलिए जानते हैं इसके फायदे और इस्तेमाल का तरीका

सूजन होता है कंट्रोल: शरीर में मौजूद सूजन गंभीर बीमात्रियों की वजह बन सकती है ऐसे में आप कलौंजी के एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, सूजन और इन्सुलिन रेजिस्टेंस को कम करते हैं। जिससे पाचन और मेटाबॉलिक कार्यप्रणाली में सुधार होता है।

ब्लड शुगर और बैड कोलेस्ट्रॉल हो ता है कंट्रोल: डॉक्टर शुभम वात्स्य के अनुसार, कलौंजी से

फास्टिंग ब्लड शुगर एचबीएवसी(HbA1c) बैड कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड और लिबर एन्ज़ाइम में इम्प्रूवमेंट होता है। खासकरयह डायबिटीज, फैटी लिबर और बैड कोलेस्ट्रॉल में बेहद फायदेमंद है। तो अगर आपका ब्लड शुगर बढ़ा है आय बैड कोलेस्ट्रॉल इस मसाले का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। वजन होता है कम: अगर आपका वजन बढ़ा हुआ है तो उसे कंट्रोल करने के लिए कलौंजी का सेवन कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण मेटाबॉलिज्म को फास्ट करते हैं जो आपका बढ़ा हुआ वजन कम करने में मददगार है। गट हेल्थ होती है बेहतर: डॉक्टर शुभम वात्स्य के अनुसार , कलौंजी गट हेल्थ को भी बेहतर करती है। इसमें मौजूद थाइमोक्विनोन और कार्मिनेटिव गैस , ब्लोटिंग, अपच जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं में बेहद कारगर है। कलौंजी का इस्तेमाल करने के लिए आप इसे पहले रोस्ट कर लें। इसे भुनने से इसके तेल एक्टिव हो जाते हैं, जिससे इसकी खुशबू और गुण दोनों बढ़ जाते हैं।इसका इस्तेमाल आप सीमित मात्रा में ही करें। आधा चम्मच कलौंजी सलाद, दाल या सब्जी में डालकर इसका सेवन आप कर सकते हैं।

मानसून में रिकन को रक्खना है हेल्दी, तो घर पर बनाएं ये फेस पैक, खिल उठेगी त्वचा

मानसून का मौसम भीषण गर्मी से राहत तो लाता है, लेकिन अपने साथ नमी और उमस भी लेकर आता है। इस मौसम में त्वचा अक्सर चिपचिपी, बेजान हो जाती है। इसके साथ ही इस मौसम में चेहरे पर मुंहासों भी निकलने लगते हैं। चेहरे की खोई



हुई चमक को बरकरार रखने के लिए लोग महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन शायद आपको मालूम नहीं है कि घर पर बने नेचुरल फेस पैक का इस्तेमाल कर आप स्किन को ग्लोइंग बना सकते हैं। ये चेहरे को गहराई से पोषण देकर उसे निखार सकते हैं। चलिए जानते हैं घर पर नेचुरल फेस पैक बनाने का तरीका। 1.नीम और हल्दी का एंटी-बैक्टीरियल पैक मानसून में बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा सबसे ज्यादा होता है। ऐसे में नीम और हल्दी का फेस पैक इन समस्याओं से छुटकारा दिला सकता है। इसके लिए नीम की पत्तियों का पेस्ट,हल्दी पा उडर और थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर स्मूथ पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं और फिर गुनगुने पानी से धो लें। नीम पिंपल्स पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारता है और हल्दी त्वचा की रंगत निखारती है। 2.बेसन, दही और नींबू का पैक ऑयली और चिपचिपी स्किन के लिए यह फेस पैक बरदान साबित हो सकता है। फेस पैक तैयार करने के लिए बेसन (2 चम्मच) ताजा दही (1 चम्मच) और नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे और गर्दन पर 20मिनट तक लगाएं , फिर ठंडे पानी से धो लें। बेसन चेहरे से एक्सट्रा ऑयल को सोखता है, दही त्वचा को हाइड्रेट रखता है और नींबू दाग-धब्बों को हल्का करता है।

बारिश के पानी से पैरों में हो रही है खुजली और फंगल इंफेक्शन, तो अपनाकर देखें ये आसान उपाय, मिल सकती है राहत



बारिश का मौसम हर किसी को सुहावना लगता है। एक तरफ जहां बारिश से गर्मी से राहत मिलती है तो वहीं दूसरी तरफ ये अपने साथ इंफेक्शन लेकर भी आता है। मानसून में जगह-जगह भरे गंदे पानी में भीगने से पैरों में खुजली , रेडनेस, और फंगल इंफेक्शन की समस्या होना बहुत आम है। पैरों में नमी और पसीने के कारण बैक्टीरिया और फंगस तेजी से पनपने लगते हैं। इस समस्या से कई लोग परेशान रहते हैं। अगर आप भी बारिश के पानी की वजह से पैरों की खुजली और इंफेक्शन से परेशान हैं, तो दवाइयों के साथ-साथ कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर इस समस्या से आप राहत पा सकते हैं। 1.गुनगुने पानी और नमक से सफाई घर लौटते ही सबसे पहले अपने पैरों को साफ पानी से धोएं। इसके बाद एक टब में गुनगुना पानी लें और उसमें थोड़ा सा सेंधा नमक मिलाएं। इसमें 10-15 मिनट के लिए पैर डुबोकर रखें। नमक के एंटी-बैक्टीरियल गुण त्वचा से फंगस को खत्म करने और खुजली कम करने में मदद करते हैं। 2.नीम का पानी या नीम का तेल नीम को एंटी-फंगल और एंटी-सेप्टिक माना जाता है। नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर उस पानी से पैरों को धोएं। इसके अलावा, आप इंफेक्शन वाली जगह पर नारियल तेल में नीम का

तेल मिलाकर भी लगा सकते हैं। इससे खुजली और जलन में तुरंत आराम मिलेगा। 3.टी ट्री ऑयल फंगल इंफेक्शन से छुटकारा पाने के लिए आप टी ट्री ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। नारियल तेल या बादाम तेल की कुछ बूंदों में 2-3बूंद टी ट्री ऑयल मिलाएं और रई की मदद से प्रभावित जगह पर लगाएं। यह फंगस की ग्रोथ को रोकता है। 4.एप्पल साइडर विनेगर एक टब में पानी भर लें। फिर इसमें बराबर मात्रा में पानी और एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर टब में डालें और उसमें 15मिनट पैर को रखें। विनेगर का एमिडिक नेचर फंगल इंफेक्शन को कम करने में मदद करता है।पैरों को सुखाकर रखें: नहाने या पैर धोने के बाद उंगलियों के बीच की जगह को तौलिये से अच्छी तरह सुखाएं। नमी फंगस का सबसे बड़ा कारण है।एंटी-फंगल पाउडर: पैरों में नमी रोकने के लिए रोजाना टैलकम पाउडर की जगह एंटी-फंगल पाउडर का इस्तेमाल करें। सही जूते-चप्पल चुनें: बारिश के दिनों में बंद जूते या गीले मोजे पहनने से बचें। ऐसे जूते या स्लिपर पहनें जिसमें हवा का फ्लो बना रहे। गीले मोजे तुरंत बदलें: अगर मोजे बारिश में भीग जाएं , तो उन्हें तुरंत उतार दें और साफ व सूखे मोजे ही पहनें।

प्रेग्नेंट करिश्मा तन्ना के लिए जामनगर से आए केसर आम, नीता अंबानी ने भेजा खास गिफ्ट, एक्ट्रेस ने दिखाई झलक

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना जल्दी ही मां बनने वाली हैं। इन दिनों करिश्मा अपनी प्रेग्नेंसी के तीसरे ट्राइमेस्टर में हैं। करिश्मा अक्सर इंस्टाग्राम पर अपनी मीटरनिटी फोटोज भी साझा करती रहती हैं। एक्ट्रेस अपने तीसरे ट्राइमेस्टर में भी जमकर वर्कआउट कर रही हैं और अपनी और अपने बच्चे की सेहत का पूरा ध्यान रख रही हैं। इस बीच करिश्मा अपनी एक इंस्टाग्राम स्टोरी को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने नीता अंबानी से मिले खास तोहफे की झलक दिखाई है। करिश्मा तन्ना को नीता अंबानी की तरफ से जामनगर से केसर आम का गिफ्ट मिला है, जिसे देखकर प्रेग्नेंट करिश्मा की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और तुरंत उन्होंने इस खास तोहफे की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की।

नीता अंबानी ने भेजे केसर आम करिश्मा तन्ना ने इंस्टाग्राम पर नीता अंबानी से मिले खास तोहफे की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें जामनगर स्थित रिलायंस के ऑर्बिड्स से प्रीमियम केसर आम देखने को मिले। इस गिफ्ट के साथ नीता अंबानी ने करिश्मा को एक नोट भी भेजा , जिसमें लिखा था -उम्मीद है कि आप इन केसर आमों के साथ गर्भियों का आनंद लेंगी। इन आमों की तस्वीर साझा करने के साथ ही करिश्मा



ने अपनी प्रेग्नेंसी के खूबसूरत पलों की भी झलक शेयर की है, जिसमें उन्हें अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते देखा जा सकता है। वहीं उन्होंने अपने

वर्कआउट रूटीन की झलक भी दिखाई और पसंदीदा चाइनीज फूड और प्रेग्नेंसी क्रेविंग्स के बारे में भी फैस को बताया है।

करिश्मा तन्ना दोस्तों के साथ कर रही हैं एंजॉय प्रेग्नेंसी में भी करिश्मा तन्ना अपने दोस्तों के साथ मस्ती को मिस नहीं कर रहीं। वह अपने दोस्तों के साथ लगातार आउटिंग पर जा रही हैं और जमकर एंजॉय कर रही हैं, जिसकी झलक वह सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अनुष्का रंजन और आदित्य सील के साथ भी नजर आई थीं। करिश्मा अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी के बीच भी लगातार फैस से जुड़ी हैं और उन्हें सारी अपडेट्स देती रहती हैं। करिश्मा तन्ना ने अप्रैल में अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था, जिसे देखने के बाद कमेंट सेक्शन में बधाईयों का तांता लग गया। हाल ही में करिश्मा तन्ना ने अपने वर्कआउट रूटीन का एक वीडियो शेयर किया था, जो काफी चर्चा में रहा। इस दौरान उनका पेट डॉंग भी उनके साथ दिखाई दिया, जिसे उन्होंने अपना वर्कआउट पार्टनर बताया था। करिश्मा ने अपनी हेल्दी डिलीवरी के लिए अपनी लाइफस्टाइल में कई बदलाव किए हैं। वह बच्चे के जन्म से पहले हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रख रही हैं, जिसकी झलक उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर देखने को मिल ही जाती है। करिश्मा तन्ना ने 5 फरवरी 2022 को रियल एस्टेट बिजनेसमैन वरुण वंगेरा से शादी की थी और अब शादी के 4 साल बाद अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगी।

9साल की उम्र में ‘सा रे गा मा पा’ लिटिल चैंप्स पहुंचे थे अरमान मलिक, वहीं से शुरु हुआ था सिंगिंग का सफर



बॉलीवुड में अपनी सुरीली आवाज से लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले अरमान मलिक आज किसी पहचान के मोहतাজ नहीं हैं। रोमांटिक गानों से लेकर पॉप म्यूजिक तक , उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, कम ही लोग जानते हैं कि अरमान का संगीत सफर बहुत छोटी उम्र में ही शुरू हो गया था। उन्होंने महज 9 साल की उम्र में टीवी की दुनिया में कदम रख दिया था और अपनी आवाज से लोगों का ध्यान खींचा था। अरमान मलिक का जन्म 22 जुलाई 1995 को मुंबई में हुआ था। वह ऐसे परिवार से आते हैं, जहां संगीत पीढ़ियों से जुड़ा हुआ है। उनके दादा सरदार मलिक हिंदी सिनेमा के मशहूर संगीतकार थे, वहीं उनके पिता डब्लू मलिक भी संगीत की दुनिया से जुड़े हुए हैं। उनके चाचा अनु मलिक भी बॉलीवुड के जाने-माने म्यूजिक डायरेक्टर हैं। ऐसे माहौल में अरमान को बचपन से ही संगीत सीखने का मौका मिला। जब अरमान सिर्फ 4 साल के थे, तभी उनके माता-पिता ने उनकी संगीत प्रतिभा को पहचान लिया था। इसके बाद उन्होंने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। धीरे-धीरे संगीत उनके जीवन का हिस्सा बन गया। उन्होंने छोटी उम्र में ही स्कूल के कई म्यूजिक कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। अरमान की पहचान उस समय बनी, जब उन्होंने मशहूर सिंगिंग रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स' में हिस्सा लिया।

हर्षद चोपड़ा ने शिवांगी जोशी को बताया बहन, बयान ने लाक अप 2 में मचाई हलचल, एक्ट्रेस को बेहन जोन करना पड़ा भारी



लॉक अप 2 के दर्शक यह देखने के लिए काफी एक्साइटेड थे कि अपूर्वा मखीजा घर के अंदर आते ही क्या धमाका करने वाली है, जहां उनका पहला दिन श्रेया कालरा से लड़ाई करके गुजरा तो वहीं दूसरी ओर, उन्होंने हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी के रिश्ते के बारे में खुलकर चर्चा की। इस बीच कई दर्शकों को लगा कि हर्षद ने शिवांगी को कंप्यूज किया है, जब शिल्पा शिंदे ने दोनों को बार-बार 'लव बर्इस' कहा तो हर्षद ने अपना आपा खो दिया और साफ किया कि शिवांगी की मां को उन पर भरोसा है और वह शिवांगी से उसी तरह प्यार करते हैं, जैसे वह अपनी बहन से करते हैं। हर्षद चोपड़ा का शिल्पा शिंदे पर फूटा गुस्सा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहने वाले हर्षद चोपड़ा ने अब शिवांगी के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। हाल ही में शिल्पा शिंदे के साथ बहसबाजी के दौरान उन्होंने कहा, शिवांगी की मम्मी भरोसा करती है मुझ पे। दोस्त हूं उसका। जैसे ही उन्होंने यह कहा राम कपूर ने उन्हें रोकते हुए कहा, भाई बहन का रिश्ता है। हालांकि, हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी के रिएक्शन के बाद

शिल्पा शिंदे ने आगे बहस न करने का फैसला किया। हर्षद चोपड़ा ने शिवांगी जोशी को किया 'बेहन जोन' हर्षद ने आगे कहा, अपनी बहन से जैसा प्यार करता हूं, अपनी मम्मी से जैसा प्यार करता हूं, अपने पापा जैसा करता हूं ... वैसा करता हूं शिवांगी से। उन्होंने आगे सवाल किया 'कभी देखा है कुछ करते हुए बहन जैसी है। एक यूजर ने मजाक में कहा, शिवांगी को बहन का दर्जा मिल गया। एक और यूजर ने लिखा, हर्षद और शिवांगी अब ऑफिशियली भाई-बहन हैं, खुद हर्षद और शिवांगी के मुताबिक। इस बहस ने देखते ही देखते एक खतरनाक मोड़ ले लिया। बातचीत के दौरान हर्षद चोपड़ा ने आगे कहा कि अब वह 43 साल के हैं और शायद दोबारा शादी नहीं करना चाहेंगे। उन्होंने आगे यह भी कहा कि शिवांगी अभी जवान हैं और उनकी शादी की उम्र हो गई है। उनके बारे में ऐसी बातें कहने से उनकी इमेज खराब हो सकती है। बाद में हर्षद ने साफ किया कि शिवांगी का परिवार उन्हें जानता है और उन्होंने ही हर्षद से शिवांगी का ख्याल रखने के लिए कहा था।

‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2’ में रौनक की लाइफ लाइन बनी गौतम की शर्त, करण ने मानी हार

क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में दिखाया जाएगा कि गौतम नंदिनी से कहता है कि अगर उसे मदद चाहिए तो करण को उसके पास भेज दे। दामिनी, नंदिनी और गायत्री गौतम से कहती



हैं कि यह नामुमकिन है। गौतम अपनी हालत को लेकर पक्का इरादा कर लेता है। करण गौतम से मदद मांगता है और गौतम करण से कहता है कि वह उससे ठीक से रिक्वेस्ट करें। करण बिना मन के गौतम से अपने बेटे की मदद करने की रिक्वेस्ट करता है। गौतम को करण के बर्ताव और टोन में बदलाव अजीब लगता है। यही से कहानी नया मोड़ ले लेती है। गौतम की डिमांड गौतम उसे उसकी फीस के बारे में याद दिलाता है। करण अपने बेटे को बचाने के लिए कुछ भी देने को तैयार हो जाता है। समीरा गौतम से कहती है कि उसमें इंसानियत की कमी है और गौतम उससे कहता है कि वह अपने पिता का रवैया देखे। गौतम करण से कहता है कि उसे 12 महीने के लिए हर महीने 4.5 लाख रुपये चाहिए। कुल मिलाकर 54 लाख बनते हैं, क्योंकि कारिया देना और केस संभालना उसके लिए बहुत मुश्किल काम है। गौतम को करण से 12 पोस्ट-डेटेड चेक चाहिए। बिना किसी हिचकिचाहट के करण सभी चेक पर साइन करके उन्हें दे देता है। ऐसे में करण अपने छोटे भाई से हार मान लेता है। वैष्णवी और नकुल ने जताई चिंता वैष्णवी सोचती है कि रौनक 3 करोड़ के स्कैम में कैसे फंस गया। उसे यकीन नहीं होता कि मासूम रौनक इतना बुरा काम कर सकता है। वैष्णवी, नकुल को सलाह देती है कि वह अपने पिता से कहे कि इस मुश्किल समय में करण की मदद करें। नकुल को लगता है कि उनके बीच चल रहे झगड़ों और टेंशन की वजह से उसके पिता उसकी मदद नहीं करेंगे।

जितेंद्र ने याद किए पुराने दिन, बताया 4.25 लाख में खरीदा था पाली हिल का बंगला, आज कीमत पहुंची 450 करोड़



जितेंद्र हिंदी सिनेमा के उन स्टार्स में से एक हैं, जिनका चर्मा आज भी बरकरार है। जितेंद्र ने छह दशकों से भी लंबे करियर में 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्होंने 'गीत गाया पत्थरों ने से' एक्टिंग की शुरुआत की और 'फर्ज' से स्टार बने। अभिनेता को ऑन-स्क्रीन शानदार परफॉर्मेंस के लिए जंपिंग जैक का निक्नेम मिला। अपने शानदार फिल्मी करियर के साथ-साथ उन्होंने रियल एस्टेट में भी समझदारी से निवेश किया और आगे चलकर मुंबई के प्रॉपर्टी मार्केट में एक जाना-माना नाम बन गए। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्टर ने बताया कि उन्होंने मुंबई के पॉश इलाके पाली हिल में दिवंगत एक्टर भरत भूपण से एक बंगला बहुत ही कम कीमत पर खरीदा था, जिसकी कीमत आज करोड़ों रुपये में है। जितेंद्र को भरत भूपण ने मजबूरी में बेचा था बंगला द रियल्टी ड्राइव से बात करते हुए जितेंद्र ने

बताया कि भरत भूपण बहुत बुरे आर्थिक दौर से गुजर रहे थे और उन्हें अपना पाली हिल वाला बंगला सिर्फ 4.25 लाख में बेचना पड़ा। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्लॉट की कीमत अब लगभग 450 करोड़ है। उस पुराने दिन को याद करते हुए जितेंद्र ने कहा: जितेंद्र ने बताया कि बंगले में रहने के कुछ ही समय बाद उनकी लगातार चार फिल्में फ्लॉप हो गईं। उन्हें डर था कि कहीं उनका हाल भी भरत भूपण जैसा न हो जाए , जिन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था, इसलिए उन्होंने घर छोड़ने का फैसला किया। हालांकि, बाद में यह प्रॉपर्टी उनके सबसे फायदेमंद निवेशों में से एक साबित हुई। सालों बाद, जब एक डेवलपर उनके पास रीडेवलपमेंट का ऑफर लेकर आया तो जितेंद्र तुरंत मान गए। उन्होंने बताया कि उन्होंने बंगले को बनाने में इस्तेमाल हुई बर्मा ठीक की लकड़ी से ही बंगले की खरीद कीमत का लगभग तीन गुना कमा लिया था।

राखी सावंत के एक्स अभिषेक अवस्थी का बदला हुलिया, पहचानना भी हुआ मुश्किल, कभी ड्रामा क्वीन ने सरेआम जड़े थे थप्पड़



राखी सावंत शुरुआत से ही अपने एक्टिंग प्रोजेक्ट्स के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रही हैं। राखी ने दो शादियां की हैं, लेकिन उनकी दोनों ही शादियां टूट गईं। इससे पहले राखी ने एक शो में स्वयंवर भी रचाया था और एक समय था जब राखी सावंत टीवी एक्टर अभिषेक अवस्थी के साथ रिलेशनशिप में थीं। दोनों ने डांस रियेलिटी शो 'नच बलिए' 3 में भी हिस्सा लिया था, जिसके चलते दोनों के उन दिनों काफी चर्चे रहे। दोनों ने अपना रिश्ता भी ऑफिशियल कर दिया था। जब लग रहा था कि अभिषेक और राखी अब शादी कर लेंगे, तभी दोनों के रिश्ते का अंत हो गया और वो भी बहुत बुरे नोट पर। अब राखी सावंत के वही एक्स बॉयफ्रेंड फिर चर्चा में हैं। लेकिन, इस बार वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर नहीं अपने बदले अंदाज को लेकर मुखिया बटोर रहे हैं। अभिषेक अवस्थी लंबे समय से किसी एक्टिंग प्रोजेक्ट में दिखाई नहीं दिए हैं, लेकिन हाल ही में वह एक इवेंट के दौरान स्पाॅट किए गए, जहां उन्होंने अपने बदले अंदाज से सबको हैरान कर दिया। अभिषेक का हालिया लुक देखकर सोशल मीडिया यूजर्स भी हैरान हैं कि ये वही अभिषेक अवस्थी हैं, जो कभी टीवी के चर्चित कलाकारों में से एक थे। पले की तुलना में अभिषेक का वजन काफी बढ़ गया है और मूंछों के चलते वह बेहद अलग-थलग लग रहे थे। अपने ऑफिशियल

इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी अभिषेक ये लुक फ्लॉन्ट कर चुके हैं। इतने बदल गए अभिषेक अवस्थी। अभिषेक अवस्थी और राखी सावंत के रिश्ते की बात करें तो दोनों की मुलाकात एक डांस रियेलिटी शो में हुई थी। रिहर्सल्स के दौरान दोनों की दोस्ती हुई और ये दोस्ती जल्दी ही प्यार में बदल गई। अभिषेक और राखी ने एक-दूसरे को करीब 3 साल तक डेट किया और डांस रियेलिटी शो 'नच बलिए' 3 में बतौर कपल पार्टिसिपेट करते हुए अपना रिश्ता ऑफिशियल कर दिया। दोनों ने करीब 3 साल तक एक-दूसरे को डेट किया, लेकिन फिर ये रिश्ता एक बड़ी कॉन्ट्रोवर्सी में बदल गया। दोनों का तगड़ा झगड़ा हो गया, जिसके बाद वॉलेंटायन डे के मौके पर अभिषेक फूल और टेडी बियर लेकर राखी को मनाने उनके घर गए, लेकिन राखी ने मीडिया के सामने ही अभिषेक को थप्पड़ जड़ दिए। इस घटना के बाद हमेशा के लिए दोनों के रास्ते अलग हो गए। राखी सावंत से अलग होने के कुछ साल बाद अभिषेक अवस्थी ने 6 फरवरी 2018 में अंकिता गोस्वामी से शादी कर ली, लेकिन ये रिश्ता लंबे समय तक नहीं चल पाया। शादी के चार साल बाद सितंबर 2022 में दोनों हमेशा-हमेशा के लिए अलग हो गए। वहीं राखी सावंत की बात करें तो उनकी जिंदगी भी उथल-पुथल से भरी रही।

वापसी को तैयार रियेलिटी शोज का किंग, बिग बास 20 का हुआ ऐलान, सलमान खान फिर संभालेंगे होस्टिंग की कमान

कलर्स टीवी का हिट रियलिटी शो 'बिग बॉस' का नया सीजन अब दर्शकों के बीच दस्तक देने को तैयार है। मेकर्स ने शो का आधिकारिक तौर पर ऐलान कर दिया है, जिसके साथ 'बिग बॉस 20' का काउंटडाउन शुरू हो गया है। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान एक बार फिर इस चर्चित रियेलिटी शो को होस्ट करते और कंटेस्टेंट्स की क्लास लगाते नजर आएंगे। सलमान खान लगातार 16 सीजन्स से इस शो को होस्ट कर रहे हैं और अब एक बार फिर उनकी टीवी पर वापसी को लेकर दर्शक बेहद उत्साहित हैं। शो के मेकर्स ने हाल ही में इसके मशहूर 'आंख' वाले लोगो का नया वर्शन जारी किया है और इसी के साथ आने वाले सीजन की पहली आधिकारिक घोषणा है।

ओटीटी पर भी स्ट्रीम होगा बिग बॉस 20 बिग बॉस 20 के ऐलान से वे दर्शक काफी उत्साहित हैं, जो लगातार इस रियेलिटी शो को फॉलो करते हैं। बिग बॉस 20 कलर्स टीवी पर प्रसारित होगा और साथ ही दर्शक जियो हॉटस्टार पर भी इस शो का लुफ्त उठा सकेंगे। फिलहाल मेकर्स ने प्रीमियर डेट का ऐलान नहीं किया है, लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि सितंबर 2026 में इस सीजन की शुरुआत हो सकती है। 'बिग बॉस 20' का ऐलान करते हुए JioHotstar ने X (पहले ट्विटर) पर लिखा, 2 दशक बाद भी... यह सबसे आडकोंक शो बना हुआ है। #BiggBoss20, जल्द आ रहा है X! बिग बॉस 20 के ऐलान पर दर्शकों का रिएक्शन जैसे ही मेकर्स ने नया लोगो जारी किया, सोशल मीडिया यूजर्स ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी जाहिर करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, क्या बात है, किंग



ऑफ रियेलिटी शोज। इस सीजन को लेकर बहुत उत्साहित हूं। दूसरे ने कहा, बिग बॉस 20 और सलमान खान को एक बार फिर देखने का इंतजार नहीं हो रहा। एक और पोस्ट में लिखा था, वाह, क्या शानदार लुक है। बिग बॉस 20 का इंतजार नहीं हो रहा। उम्मीद है इस बार और शानदार सेलिब्रिटीज शामिल होंगे। ऐसे ही कमेंट करते हुए यूजर शो को लेकर अपनी बेताबी जाहिर कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि इस बार कुछ दमदार कंटेस्टेंट शो में नजर आ सकेंगे। 6 भाषाओं में एक साथ शुरू होगा शो बिग बॉस का नया सीजन एक बड़े सरप्राइज के साथ दर्शकों के बीच दस्तक दे रहा है। दरअसल, इस हफ्ते की शुरुआत में, मेकर्स ने घोषणा की थी कि इस साल Bigg Boss का अब तक का सबसे बड़ा मल्टी-प्लेवेज रोलआउट होगा। इस बार 6 भाषाओं में शुरू

होगा। शो का नया सीजन हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और बांग्ला एडिशन के साथ स्ट्रीम होगा। खास बात यह है कि ये सभी छह वर्जन एक साथ लांच किए जाएंगे। Bigg Boss का नया सीजन JioHotstar पर स्ट्रीम होगा और कलर्स टीवी और जियो स्टार नेटवर्क पर प्रसारित होगा। सलमान खान, विजय सेतुपति, नागार्जुन, किक्का सुदीप और मोहनलाल जैसे कलाकार अपनी-अपनी भाषाओं के वर्जन को होस्ट करने के लिए लौटेंगे। इस साल, भारत के पूर्व कप्तान वीरव गांगुली भी इस फ्रैंचाइजी से जुड़े हैं और वह बांग्ला वर्जन को होस्ट करेंगे। वहीं बिग बॉस हिंदी के 19वें सीजन की बात करें तो इसका ग्रैंड फि नाले 7 दिसंबर, 2025 को हुआ था। बिग बॉस 19 के विनर एक्टर गौरव खन्ना बने थे, जो अब अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं।

जैकब बेथेल घुटने की चोट के कारण द हंड्रेड से बाहर

लंदन (एजंसी) दाहिने घुटने की चोट के कारण इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैकब बेथेल इस साल'द हंड्रेड' टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं

झूटी के दौरान लगी चोट से उबरने के बाद टीम में शामिल हुए हैं। बेथेल भारत के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हुए थे। सोमवार सुबह



होंगे। इस उभरते हुए खिलाड़ी को बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी का एक अहम मौका नहीं मिल सकेगा। इसी के साथ बेथेल के अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलने पर भी संदेह पैदा हो गया है। बर्मिंघम फीनिक्स ने शुक्रवार को ट्वेंट रॉकेट्स के खिलाफ ओपनिंग मैच के लिए बेथेल की जगह साउथ अफ्रीका के डोनोवन फरेरा को कप्तान चुना है। फ्रेंचाइजी बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान की फिटनेस पर भी नजर रख रही है, जो हाल ही में इंटरनेशनल

एसआरआई स्कैन के बाद उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड(ईसीबी) ने बेथेल के फिट होने में लगने वाले समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड का पहला टेस्ट मैच 19 अगस्त को हेडिंग्ले में शुरू होगा। सीरीज के अगले दो मुकाबले 27अगस्त और 9सितंबर से खेले जाएंगे। ईसीबी ने एक बयान में कहा, जैकब बेथेल दाहिने घुटने की चोट के कारण'द हंड्रेड' से बाहर हो गए हैं। उन्हें मेट्रो बैंक वनडे सीरीज के दौरान चोट लगी थी

और कल सुबह उनका एमआरआई स्कैन हुआ था। वह अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे और हम जरूरत के हिसाब से अपडेट देते रहेंगे।अपनी निराशा जाहिर करते हुए बेथेल ने कहा, द हंड्रेड से बाहर होना निराशाजनक है, खासकर एजबेस्टन में अपने फैस के सामने बर्मिंघम फीनिक्स का प्रतिनिधित्व करने का मौका चूकना। दुर्भाग्य से, मुझे पूरी तरह फिट होने के लिए समय चाहिए। अब मेरा ध्यान अपना रिहैबिलिटेशन पूरा करने और पूरी तरह फिट होकर वापसी करने पर है। 21वर्षीय खिलाड़ी को बर्मिंघम फीनिक्स ने 3,40,000 पाउंड के कॉन्ट्रैक्ट पर रिटैन किया और 2026सीजन के लिए कप्तान बनाया था। इस फ्रेंचाइजी की संयुक्त मालकिन वार्विकशायर और अमेरिकी इन्वेस्टमेंट फंड नाइटहेड कैपिटल हैं। इंग्लैंड के फुटबॉल स्टार जूड बेलिंगहम भी इसमें स्टेकहोल्डर हैं।बेथेल को इंग्लैंड के भविष्य के लीडर्स में से एक माना जाता है। पिछले साल जब हैरी ब्रूक को आराम दिया गया था, तब बेथेल ने आयरलैंड में टीम को टी20 सीरीज जिताई थी। उन्हें बतौर टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स का संभावित उत्तराधिकारी भी माना जाता है। अगर ब्रूक टेस्ट टीम की कप्तानी संभालते हैं, तो बेथेल व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में एक विकल्प हो सकते हैं।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उंगली की चोट के कारण गर्मी के मौसम की मुश्किल शुरुआत के बाद, बेथेल ने बेहतरीन फॉर्म वापस हासिल करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में 74रन बनाए थे, उन्होंने भारत के विरुद्ध दूसरे टी20 मुकाबले में नाबाद 76रन की पारी खेली, और वनडे सीरीज के फाइनल मैच में 91रन बनाने के साथ 49रन देकर 1विकेट लेकर'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार जीता था।

वार्नर ने कबूली सिडनी में शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात, अगली सुनवाई में कोर्ट सुनाएगा सजा

सिडनी (एजंसी) ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर ने बुधवार को सिडनी की एक कोर्ट में शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में अपना जुर्म कबूल कर लिया। इस मामले में कोर्ट 18अगस्त को सजा सुनाएगा। ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग बिग बैश (बीबीएल) में सिडनी थंडर फ्रेंचाइजी की कप्तान संभाल रहे वॉर्नर कोर्ट की कार्रवाई के दौरान खुद पेश नहीं हुए। इसके बजाय, डेविड वॉर्नर की ओर से उनके वकील बॉबी हिल सिडनी की अदालत में पेश हुए और उन्होंने शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में औपचारिक रूप से अपना दोष स्वीकार किया। यह मामला 5अप्रैल , ईस्टर रविवार का है, जब वॉर्नर एक वैन चला रहे थे। वह एक जगह पर रुके , जो यादृच्छिक श्वास परीक्षण बिंदु से थोड़ी दूरी पर थी, जिसके बाद यह मामला सामने आया। इसके बाद पुलिस ने सड़क किनारे उनका श्वास टेस्ट किया। जांच में उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय कानूनी सीमा से दोगुनी से भी ज्यादा पाई गई। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए थाने ले गई। वॉर्नर के वकील बॉबी हिल ने इस साल की शुरुआत में एक सुनवाई के दौरान कहा था, हम में से बहुत से लोग ऐसे गलत फैसले लेते हैं। मुझे लगता है कि उन गलत फैसलों को मानना और उनके लिए जवाबदेह होना जरूरी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप एक ट्रेड्समैन हैं , एक डॉक्टर हैं या दुनिया के सबसे अच्छे ओपनिंग बैट्समैन में से एक हैं, यह खतरा हम सभी के लिए मौजूद है। वह जानते हैं कि उन्होंने जो किया वह गलत था। वह मानते हैं कि यह एक लापरवाही भरा फैसला था, उबर लेने के बजाय अपनी कार में बैठना एक बेवकूफी भरा फैसला था। कोर्ट ने इस मामले में अंतिम सजा सुनाने के लिए 18अगस्त की तारीख तय की है। वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में स्थानीय ट्रैफिक



कानूनों के तहत सजा का सामना करना पड़ सकता है। उनके दोष स्वीकार करने के बाद आगामी बिग बैश लीग(बीबीएल) सीजन में सिडनी थंडर के कप्तान के रूप में उनकी भूमिका को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। मौजूदा नियमों के अनुसार, वॉर्नर पर कम से कम छह महीने के लिए ड्राइविंग प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसके अलावा उन पर 2,200 ऑस्ट्रेलियन डॉलर तक का जुर्माना लग सकता है और गंभीर स्थिति में उन्हें अधिकतम नौ महीने तक की जेल की सजा भी हो सकती है।क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स(एनएसडब्ल्यू) के मुख्य कार्यकारी ली जर्मन ने वॉर्नर की गिरफ्तारी के बाद कहा था कि ये आरोप बेहद गंभीर हैं और संगठन इन्हें पूरी गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा, क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स हमेशा पुरखित ड्राइविंग का समर्थन करता है और शराब पीकर गाड़ी चलाने के पूरी तरह खिलाफ है। सिडनी थंडर, सिडनी सिक्सर्स और एनएसडब्ल्यू ब्लूज भी शराब पीकर गाड़ी चलाने को रोकने के लिए राज्य सरकार के जागरूकता अभियान का हिस्सा हैं और लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

IPL फाउंडर और पहले चेयरमैन ललित मोदी 16 साल बाद लौटेंगे भारत, फेमा केस में राहत मिलने के बाद किया ऐलान



इसके बाद ललित मोदी का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने भारत वापस लौटने का ऐलान कर दिया है। ललित मोदी ने कहा कि वह कल आए फैसले से बहुत खुश हैं। सच में, यह दिन बहुत अच्छा रहा है। उन्होंने 16साल तक लड़ाई लड़ी और मीडिया और बाकी सभी लोगों से जो कुछ भी कहा, वह आखिरकार सच साबित हुआ। उन्हें बहुत खुशी है कि ट्रिव्यूनल ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया है। उन्हें सिर्फ IPL की भलाई की चिंता थी और किसी चीज की नहीं। वह उनके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। अब वह चैप्टर पीछे छूट चुका है, वह

अपनी जिंदगी में आगे बढ़ेंगे। 16साल बाद लौटेंगे भारत ललित मोदी ने आगे कहा कि वह भारत लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह शायद इस साल के अंत में या अगले साल की शुरुआत में वापस आएं। अक्टूबर में उनकी बेटी को बेटा होने वाला है और उम्मीद है कि सब ठीक रहेगा और वह भारत वापस आ जाऊंगा। गौरतलब है कि ललित मोदी पिछले कई सालों से इंग्लैंड में रह रहे थे। उन्होंने 2010में भारत छोड़ दिया था। ललित मोदी टेक्स चोरी, धनशोधन और प्रसारण सौदों में हेरफेर के आरोपों के बाद 2010 में भारत छोड़कर लंदन चले गए थे। वह IPL के संस्थापक और तीन साल तक चेयरमैन रहे। बता दें , स्मगलर्स एंड फरिन एक्सचेंज मैनिपुलेंट्स फॉरफीचर ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट(SAFEMA) के तहत अपीलीय ट्रिव्यूनल ने 2009के IPL साउथ अफ्रीका FEMA मामले में ED के ज्यादातर निष्कर्षों और पेनल्टी को रद्द करके ललित मोदी और अन्य अपीलकर्ताओं को बड़ी राहत दी है। यह मामला साउथ अफ्रीका में आयोजित हुए IPL 2009 से जुड़ा है। लोकसभा चुनाव के दौरान सुरक्षा कारणों से IPL का दूसरा सीजन साउथ अफ्रीका में आयोजित हुआ था। इस दौरान प्रवर्तन निदेशालय यानी ED ने आरोप लगाया था कि BCCI ने IPL 2009के आयोजन के लिए लगभग 4.98 करोड़ US डॉलर विदेश भेजे थे। ED ने अपने आरोपों में कहा था कि इतनी बड़ी रकम को भारत के बाहर भेजने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक यानी RBI से कोई परमिशन नहीं ली गई थी।

विश्व कप खेलना रोहित शर्मा की व्यक्तिगत इच्छा, उन्हें कुछ साबित नहीं करना:आर. अश्विन



भारत के पूर्व ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर हो रही बहस के बीच उनका समर्थन किया है। अश्विन ने कहा कि इन अनुभवी खिलाड़ियों को यह तय करने का हक है कि वे कब खेल से संन्यास लेना।लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के निर्णायक मैच में रोहित की 138 रनों की पारी के बाद अश्विन ने कहा कि जब तक ये दोनों दिग्गज खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं, तब तक उन्हें टीम से बाहर नहीं किया जा सकता।अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, अगर वे खेलना चाहते हैं तो कोई विराट और रोहित को नहीं छू सकता। ऐसा उनके शानदार रिकॉर्ड की वजह से है। रोहित ने लगभग 12,000 रन बनाए हैं। उन्हें कोई नहीं छू सकता। वे बल्लेबाज हैं। उनके बहुत सारे प्रशंसक हैं। लोग उन्हें देखने आते हैं। अगर आप उन्हें डाँप करते हैं, तो बहुत बड़ा हंगामा हो जाएगा।रोहित शर्मा की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए अश्विन ने कहा कि एक बार जब रोहित अपनी पारी में जम गए, तो वे पूरी तरह नियंत्रण में दिखे, और उन्हें लगा कि वे और भी बड़ा स्कोर बना सकते थे। उनकी पारी शानदार थी। जोश टॉंग की गेंद पर पुल शॉट खेलने के बाद वे जम गए थे। अगर वे थोड़ी बेहतर स्थिति में होते या अधिक आत्मविश्वास से भरे होते, तो वे 180 रन बना सकते थे और टीम को मैच जिता सकते थे। मुझे लगा कि रोहित बहुत अच्छी फॉर्म में थे।अश्विन ने कहा, वे जिस स्थिति में हैं और जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, उनके लिए यह मुश्किल नहीं है। हमने उन्हें इतने सालों से देखा है। अब कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है। उन्हें किसे साबित करना है यह सिर्फ अंदर की इच्छा की बात है कि मैं वर्ल्ड कप खेलना चाहता हूँ, इसलिए मुझे खेलना है।

चेल्सी फुटबाल क्लब से जुड़े इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी मार्गन रोजर्स, 7 साल का हुआ करार

लंदन (एजंसी) चेल्सी फुटबॉल क्लब ने इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी मार्गन रोजर्स को एस्टन विला से साइन कर लिया है। प्रीमियर लीग क्लब ने कहा कि 23साल के खिलाड़ी ने 2033तक स्टेमफोर्ड ब्रिज में रहने के लिए सात साल की डील साइन की है। चेल्सी ने मिडफील्डर को कथित तौर पर 117मिलियन पाउंड की डील पर साइन किया है, जिससे वह अब तक के सबसे महंगे ब्रिटिश खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस गर्मी की शुरुआत में इलियट एंडरसन के 116 मिलियन पाउंड में मैनचेस्टर सिटी में शामिल होने का रिकॉर्ड तोड़ा है। क्लब द्वारा जारी एक बयान में रोजर्स ने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूँ। मेरे लिए चेल्सी लंदन का सबसे बड़ा क्लब है और एक ऐसा क्लब है जिसकी मैं वचपन से तारीफ करता रहा हूँ। मैं नए मैनेजर के साथ प्रोजेक्ट , हमारे पास मौजूद खिलाड़ियों और क्लब की दिशा को लेकर बहुत उत्साहित हूँ। इसी वजह से मैं यहां हूँ, और क्लब की तरफ से खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ। आर्सेनल ने इस ट्रांसफर विंडो में मार्गन रोजर्स को अपनी पहली पसंद के फॉरवर्ड के रूप में देखा था। हालांकि , क्लब ने उतनी ट्रांसफर फीस देने से इनकार कर दिया, जितनी प्रीमियर लीग 2025-26सैपियन चेल्सी देने के लिए तैयार थी। इसलिए आर्सेनल इस डील को पूरा नहीं कर सका। चेल्सी से जुड़ने से पहले मार्गन रोजर्स ने खुद को प्रीमियर लीग के सबसे प्रतिभाशाली युवा अटैकिंग खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है। एस्टन विला के लिए खेलते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और 85प्रीमियर लीग मैचों में गोल और असिस्ट



मिलाकर 40गोल में योगदान दिया। उनके दमदार खेल की बदौलत टीम पिछले सीजन में प्रीमियर लीग के शीर्ष चार में जगह बनाने में सफल रही और बाद में यूईएफए यूरोपा लीग का खिताब भी जीता। एस्टन विला ने मार्गन रोजर्स को विदाई देते हुए कहा कि वह एक शानदार पेशेवर खिलाड़ी रहे हैं। क्लब ने अपने बयान में कहा कि रोजर्स ने हमेशा पूरी मेहनत और समर्पण के साथ क्लब के लिए खेला। रोजर्स के योगदान के लिए क्लब उनका आभार व्यक्त करता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। क्लब ने यह भी कहा कि हाल के वर्षों में मि की कई बड़ी सफलताओं और यादगार पलों में रोजर्स की अहम भूमिका रही है। रोजर्स ने नवंबर 2024में इंग्लैंड की सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया था। इसके बाद वह नेशनल टीम के नियमित सदस्य बन गए। अब तक वह इंग्लैंड के लिए 22इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। उन्होंने इस साल फीफा विश्व कप में भी इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया, जहां थॉमस ट्यूशेल की टीम तीसरे स्थान पर रही।

बांग्लादेश दौरे के लिए आस्ट्रेलियाई स्क्वाड का ऐलान, कभिंस फिर संभालेंगे कमान



सिडनी (एजंसी) बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने खेनी जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 13 सदस्यीय स्क्वाड की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कभिंस इस वर्ष अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं, क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ खेनी जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टीम में उनकी वापसी हो गई है। पैट कभिंस ने पिछला मुकाबला दिसंबर में खेला था। इस मुकाबले के बाद से ही वे टीम से बाहर चल रहे थे। बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। इस सीरीज के लिए पैट

कभिंस के साथ ही तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड भी 13सदस्यीय स्क्वाड का हिस्सा हैं। बांग्लादेश की टीम इन तीनों स्टार गेंदबाजों का सामना कर सकती बना पाए हैं। सिलेक्शन चेयर जॉर्ज बेली ने कहा, एनएसपी (नेशनल सिलेक्शन पैनल) पैट, जोश और नाथन की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। उन्होंने अपनी-अपनी चोटों से उबरने के लिए पिछले कुछ महीनों में अकेले और एसएसएसएम(स्पोर्ट्स साइंस और स्पोर्ट्स मेडिसिन) टीमों के साथ मिलकर बहुत मेहनत की है। जॉर्ज बेली ने आगे कहा, हालांकि यह 13 खिलाड़ियों का स्क्वाड है, लेकिन अगर इन मैचों से पहले किसी बदलाव की जरूरत पड़ी , तो हमारे पास तैयार और उपलब्ध खिलाड़ी मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि जैसा कि पहले बताया गया है, अगले 12महीनों में क्रिकेट की मात्रा और शेड्यूल को देखते हुए कई खिलाड़ियों को सभी फॉर्मेट में और मौके मिलने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की स्टैंडिंग में सबसे ऊपर है, जबकि बांग्लादेश अभी चौथे स्थान पर है। दोनों टीमों के बीच सीरीज का पहला मुकाबला डॉर्बिन में 13-17 अगस्त और दूसरा मुकाबला मैके में 22-26अगस्त के बीच खेला जाएगा। बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई स्क्वाड: पैट कभिंस(कप्तान) स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी , कैमरून ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रेविस हेड , जोश इंग्लिस, मार्नस लावुशेन, नाथन लियोन , स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर का नाम शामिल है।

अफगान टीम को मिला नया कप्तान, रहमत शाह जुरमती संभालेंगे ODI और टेस्ट टीम की कमान

काबुल (एजंसी) अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी ACB ने बड़ा ऐलान किया है। रहमत शाह जुरमती को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का कप्तान बनाया गया है। हशमतुल्लाह शाहिदी के 21 जुलाई की शाम इस्तीफा देने के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अनुभवी मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज रहमत शाह जुरमती को अफगानिस्तान का नया टेस्ट और ODI कप्तान नियुक्त कि या गया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एफस पर यह जानकारी दी। बोर्ड ने आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज दोनों फॉर्मेट में उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। रहमत शाह पिछले कई सालों से अफगानिस्तान की बल्लेबाजी की रीढ़ रहे हैं और टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। वह 31मई 2021से टेस्ट और ODI टीम में उपकप्तान की जिम्मेदारी निभा रहे थे। अब उन्हें पूर्णकालिक कप्तान बनाकर बोर्ड ने उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताया है। हशमतुल्लाह की कप्तानी में अफगानिस्तान जीता 27ODI बता दें , हशमतुल्लाह शाहिदी ने 31 मई 2021को अफगानिस्तान की कप्तानी संभाली थी। उनके नेतृत्व में टीम ने जनवरी 2022में नीदरलैंड्स के खिलाफ ODI सीरीज जीतकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान ने 55ODI मुकाबलों में 27 जीत दर्ज की और इंटरनेशनल क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई। शाहिदी के कार्यकाल का सबसे यादगार पल



ICC मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023रहा, जहां अफगानिस्तान ने कई दिग्गज टीमों को चौंका दिया। टीम ने इंग्लैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और नीदरलैंड्स को हराकर पाउंड्स टेबल में छठा स्थान हासिल किया। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत अफगानिस्तान ने ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भी क्वालिफाई किया। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पहली बार खेलने उतरी अफगानिस्तान टीम ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन कि या। शाहिदी की कप्तानी में टीम ने इंग्लैंड पर यादगार जीत दर्ज की और टूर्नामेंट में पांचवें स्थान पर रहते हुए अपनी छाप छोड़ी। अब रहमत शाह और रहमानुल्लाह गुरबाज की नई नेतृत्व जोड़ी अफगानिस्तान की

आगामी आयरलैंड सीरीज से अपनी नई जिम्मेदारियां संभालेगी। क्रिकेट फैस की नजर इस बात पर होगी कि रहमत शाह की कप्तानी में अफगानिस्तान अपनी हालिया सफलता को आगे बढ़ाते हुए इंटरनेशनल मंच पर नई ऊंचाइयों तक पहुंच पाता है या नहीं। 5अगस्त से आयरलैंड दौरे का आगाज अफगान क्रिकेट टीम ने हाल ही में भारत का दौरा किया था। इस दौरे पर अफगानिस्तान को एक भी मैच में जीत हासिल नहीं हुई थी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच खेला गया था, जिसमें अफगान टीम को पारी और 300 रनों से करारी शिकस्त मिली थी।